घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 06- गुरूवार 06- नवम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये ,www.ghatati-ghatana.com,RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

हरियाणा चुनाव में 25 लाख फर्जी वोट से जीती गई कांग्रेस की जीत,अब बिहार में साजिश : राहुल

राज्य के 5 लोगों को मंच पर बुलाया,सभी बोले...हमारे नाम वोटर लिस्ट से काटे

नई दिल्ली,05 नवम्बर 2025। बिहार में पहले फेज की 121 सीटों पर वोटिंग होनी है। इससे एक दिन पहले राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि राज्य में ऑपरेशन सरकार चोरी चलाया जा रहा है। राहुल ने बिहार के 5 वोटरों को मंच पर बुलाया। सभी ने कहा कि उनके नाम वोटर लिस्ट काट दिए गए हैं। राहुल ने कहा कि हरियाणा में 3.5 लाख वोटर्स का नाम लिस्ट से काट दिया गया था। बिहार में भी यही दोहराया जा रहा है। चुनाव से ठीक पहले वोटर लिस्ट दी जाती है,ताकि लोकतंत्र को मारा जा सके। उन्होंने अपने प्रजेंटेशन में हरियाणा की वोटर लिस्ट दिखाते हुए कहा कि ब्राजील की एक मॉडल ने हरियाणा चुनाव के दौरान 10 बूथ पर 22 बार वोट डाला। इस तरह हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 में 25 लाख वोटों की चोरी हुई। राहुल ने सबसे पहले हरियाणा सीएम नायब सिंह सैनी का वीडियो दिखाया। राहुल ने कहा कि इलेक्शन के दो दिन बाद सीएम ने एक बाइट दी,जिसमें उन्होंने व्यवस्था का जिक्र किया। अब ये व्यवस्था क्या है। इसके बाद जो रिजल्ट आया हरियाणा में कांग्रेस चुनाव हार गई। राहुल ने ब्राजीलियन लड़की की तस्वीर भी दिखाई। कहा ये हरियाणा की वोटर लिस्ट में है। इसने कभी स्वीटी, कभी सीमा तो कभी सरस्वती के नाम पर वोट डाले। वोटर लिस्ट में एक महिला की फोटो 223 बार नजर आई राहुल ने कहा, 'कुछ की उम्र उनकी फोटो से अलग है। दो पोलिंग बूथ के वोटर लिस्ट में एक महिला की फोटो 223 बार नजर आती है। चुनाव आयोग को बताना पड़ेगा कि यह महिला इतनी बार क्यों आई।' राहुल गांधी ने इससे पहले 7 अगस्त और 18 सितंबर को प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। राहुल ने 18 सितंबर को 31 मिनट के प्रजेंटेशन में कर्नाटक और महाराष्ट्र में वोट चोरी के आरोप लगाए और सबूत दिखाने का दावा किया।

राहुल ने कहा...जैसा कि हरियाणा में हुआ,वैसा ही बिहार में होगा...

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि जो हरियाणा में हुआ, वही बिहार में होगा। बिहार में भी वोटर लिस्ट में धांधली हुई है। उन्होंने दावा किया कि मतदाता सूची हमें लास्ट मोमेंट पर दी गई। बिहार के 5 वोटर्स को भी मंच पर बुलाया और दावा किया कि इनके नाम वोटर लिस्ट से काट दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि पूरे के पूरे परिवार के नाम वोटर लिस्ट से काट दिए गए। बिहार में भी लाखों लोगों के नाम कटे हैं।

राहुल ने कहा...मुख्य चुनाव आयुक्त ने देश की जनता से झूठ बोला...

राहुल ने कहा कि दालचंद यूपी में भी वोटर हैं,हरियाणा में भी वोटर है। उनका पुत्र भी हरियाणा में भी वोटर है, यूपी में भी बीजेपी को वोट करता है। ऐसे हजारों की तादाद में लोग हैं, जिनका बीजेपी से जुड़ाव है। मथुरा के सरपंच प्रह्लाद का नाम भी हरियाणा में कई जगह वोटर लिस्ट में है। राहुल ने कहा कि उन्होंने दावा किया कि मकान नंबर जीरो उन लोगों के सामने दर्ज कर दिया जाता है, जिनके पास घर नहीं होते। इस दौरान चुनाव आयोग की प्रेस कॉन्फ्रेंस का वीडियो भी चलाया गया, जिसमें घर विहीन लोगों के लिए वोटर लिस्ट में दर्ज पते को लेकर जानकारी दी जा रही थी।

राहुल बोले...यह कोई गलती नहीं है यह जानबूझकर किया जाता है

इलेक्शन कमिश्नर का कहना है कि हाउस नंबर 0 उनका होता है, जिनका कोई घर नहीं होता। मैंने उसकी जांच की। पुल के नीचे सड़क पर या लैंपपोस्ट के किनारे ऐसे लोगों का हाउस नंबर 0 होता है। उन्होंने बताया कि मिस्टर नरेंद्र एक घर में रहते हैं, लेकिन उनका घर नंबर 0 दिखाता है, ताकि उसको कोई ढूंढ न सके। लेकिन हमने ढूंढ निकाला। उनका घर 0 इसलिए दिखाया ताकि वो वोट करके चला जाए कोई जान नहीं पाए कि कौन था और ऐसे हजारों लोगों ने किया। यह कोई गलती नहीं है यह जानबूझकर किया जाता है। एक घर में 66 लोग रहते हैं इसके भी उदाहरण हैं क्योंकि घर का एक मेंबर बीजेपी नेता से जुड़ा है। एक घर में 100 से ज्यादा लोग थे हमने जाकर चेक किया तो उसमें कोई नहीं दिखा।

उप्र के मीरजापुर में ट्रेन की चपेट में आकर 6 महिलाओं सहित 8 श्रद्धालुओं की मौत

मीरजापुर,05 नवम्बर 2025। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जनपद में बुधवार सुबह चुनार रेलवे स्टेशन पर बड़ा रेल हादसा हो गया। नेताजी एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से 8 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जिनमें 6 महिलाएं हैं। हादसे में कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। घटना सुबह करीब 9:30 बजे चुनार रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 3 पर हुई। बताया जा रहा है कि चोपन से आई पैसेंजर ट्रेन के स्टेशन पर पहुंचने के बाद कार्तिक पूर्णिमा पर्व के चलते भीड़ अधिक होने से कुछ श्रद्धालु प्लेटफॉर्म की ओर न उतर कर दूसरी तरफ ट्रैक से नीचे उतरने लगे। तभी तेज रफ्तार से आई नेताजी एक्सप्रेस उसी ट्रैक से गुजर गई। श्रद्धालु कुछ समझ पाते, इससे पहले ही ट्रेन ने कई लोगों को चपेट में ले लिया। दुर्घटना के बाद मौके पर दिल दहला देने वाला मंजर था। रेलवे ट्रैक पर चारों ओर लोगों के शव बिखर गए। शवों के टुकड़ों को पुलिस ने बड़ी मशक्कत से समेट कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घायल यात्रियों को तुरंत जिला अस्पताल व अन्य स्वास्थ्य केंद्रों में भर्ती कराया गया है। मृतकों में अधिकांश कार्तिक पूर्णिमा स्नान के लिए गंगा घाट जा रहे श्रद्धालु बताए जा रहे हैं। अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन मनीष मिश्रा ने बताया कि इस हादसे में 6 महिला मृतकों की पहचान कर ली गई है। इनमें सविता (28) पत्नी राजकुमार निवासी कमरिया थाना राजगढ़, साधना (16) पुत्री विजय शंकर बिंद, शिव कुमारी (12) पुत्री विजय शंकर, अप्पू देवी (20) पुत्री श्याम प्रसाद, सुशीला देवी (60) पत्नी स्व. मोतीलाल निवासी महुआरी थाना पड़री, कलावती देवी (50) पत्नी जनार्दन यादव निवासी बसवा थाना कर्मा जनपद सोनभद्र हैं। अन्य मृतकों की पहचान करने के साथ अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। हादसे की सूचना मिलते ही रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी और प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा और राहत कार्य शुरू कराया। उधर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस हृदयविदारक घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए अधिकारियों को घायलों के समुचित उपचार और राहत व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

हरिद्वार में डेढ़ लाख लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई

कार्तिक पूर्णिमा पर हरकी पौड़ी में भारी भीड़

हरिद्वार,05 नवम्बर 2025। हरिद्वार में कार्तिक पूर्णिमा के दिन एक साथ डेढ़ लाख लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई। हरकी पौड़ी पर तड़के से ही गंगा स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ जुटनी शुरू हो गई। ठंड के बावजूद लोगों में स्नान को लेकर अपार उत्साह देखने को मिला। दूर-दूर से श्रद्धालु गंगा में डुबकी लगाकर पुण्य और मोक्ष की प्राप्ति की कामना कर रहे हैं। कार्तिक पूर्णिमा को धार्मिक दृष्टि से अत्यंत शुभ माना जाता है। इसे देव दीपावली के रूप में भी मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन देवता स्वयं मानव रूप में पृथ्वी पर उतरकर पवित्र नदियों में स्नान करते हैं। गंगा स्नान और दीपदान का इस दिन विशेष महत्व होता है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान से व्यक्ति को पापों से मुक्ति और मोक्ष की प्राप्ति होती है। कहा जाता है कि इस दिन भगवान विष्णु का जन्मोत्सव मनाया जाता है और तुलसी पत्र व चांदी पात्र का दान करने से असीम पुण्य की प्राप्ति होती है। धार्मिक कथाओं के अनुसार, भगवान शिव के बेटे और देवसेना के अधिपति भगवान कार्तिकेय ने इसी दिन राक्षसों पर विजय प्राप्त की थी। उसी प्रसन्नता में देवताओं ने देव दीपावली का उत्सव मनाया था। इस दिन गंगा स्नान और दीपदान करने से अश्वमेध यज्ञ के समान फल मिलता है तथा जीवन के समस्त दोष दूर हो जाते हैं।

कर्नाटक के बीदर के पास सड़क दुर्घटना,तेलंगाना के 3 लोगों की मौत

बीदर,05 नवम्बर 2025। कर्नाटक के बीदर जिले के भालकी तालुक में नीलममनल्ली टांडा के पास बुधवार सुबह भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। एक कार और कूरियर वाहन की आमने-सामने की टक्कर में कार सवार तीनों लोगों की मौके पर मौत हो गई। घटना के बाद धन्नूर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस ने घटनास्थल का दौरा कर जाँच शुरू कर दी है। शुरुआती जानकारी के अनुसार,मृतक तेलंगाना के रहने वाले थे और कलबुर्गी के गंगापुर स्थित श्री दत्तात्रेय मंदिर जा रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। मृतकों की पहचान राजप्पा, नवीन और नागराज के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि नागराज तेलंगाना के नारायणखेड़ स्थित एक पीयूसी कॉलेज में लेक्चरर के पद पर कार्यरत थे।

वोट चोरी पर राहुल के दावे फर्जी,छिपकर थाईलैंड-कंबोडिया जाते हैं : भाजपा

नई दिल्ली,05 नवम्बर 2025। कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा और चुनाव आयोग पर वोटर लिस्ट में गड़बड़ी के आरोप लगाए। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने राहुल के आरोपों पर पलटवार किया। रिजिजू ने कहा- राहुल ने जो प्रजेंटेशन दिया, वह फर्जी था। राहुल गांधी ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कुछ विदेशी महिलाओं के नाम का जिक्र किया। वे संसद सत्र चलते समय विदेश चले जाते हैं। छिपकर थाईलैंड-कंबोडिया जाते हैं। उन्हें विदेशों से जो प्रेरणा मिलती है, उसके आधार पर वे लोगों का समय बर्बाद करते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा- हम भी कई चुनाव हारे, लेकिन कभी रोना-धोना नहीं किया।

अंग्रेजों का नहीं अब मोदी का साम्राज्य : प्रियंका गांधी

कहा...यहां अडाणी-अंबानी का कर्ज माफ होता है,किसानों का नहीं,बीजेपी वाले आपको घुसपैठिया बता रहे...

बेतिया,05 नवम्बर 2025। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी बिहार के बेतिया के चनपटिया पहुंची हैं। उन्होंने सभा में कहा कि, 20 साल में सरकार ने बस आपको संघर्ष करने की आदत डलवाई है। चंपारण की धरती से ही आजादी के आंदोलन की शुरुआत हुई। यहां के किसानों की आवाज महात्मा गांधी तक पहुंची और वो यहां तक आए। आज अंग्रेजों का नहीं मोदी का साम्राज्य है। इस राज में सब कुछ मंहगा हो गया है। मोदी साम्राज्य में किसान कर्ज लेता है और ब्याज चुकाते-चुकाते उसकी कमर टूट जाती है। आपका कर्ज कभी माफ नहीं होता, लेकिन अंबानी-अडाणी का लाखों करोड़ों का कर्ज माफ हो जाते है। देश के प्रधानमंत्री बिहार के सीएम को अपने मंच पर नहीं लाते हैं। दूसरी पार्टी पर सवाल उठाते हैं। वो कहते हैं कि, कांग्रेस के पोस्टर में तेजस्वी की तस्वीर छोटी है। उन्हें देश की नहीं राहुल गांधी और तेजस्वी के भविष्य की चिंता है।

मकान सिंह,खदान सिंह, ठेकेदार सिंह आपको लूट रहे...

मंच से नेताओं ने कहा कि,बीजेपी विधायक मकान सिंह ने चनपटिया को लूटा है। इस पर प्रियंका गांधी ने हंसते हुए कहा कि कैसे-कैसे नाम हैं। मकान सिंह। जैसा नाम, वैसा काम। लोगों को लूट-लूटकर अपने मकान बना रहे हैं। बिहार में पता नहीं कितने मकान सिंह, खदान सिंह और ठेकेदार सिंह होंगे जो आपको लूट रहे हैं। ऐसी सरकार को बदलने का वक्त आ गया है।

देश के उद्योग मोदी जी ने 2 दोस्तों के दिए

प्रियंका ने कहा, बिहार में जितने उद्योग लगे। उसका क्या किया इस सरकार ने। पहले लोग चाहते थे कि सरकारी कारखाने में नौकरी लग जाए, लेकिन मोदी जी ने सारे उद्योग को अपने दो दोस्तों को सौंप दिया। अब सरकारी कारखानों में ठेकेदारी चल रही है।देश की संपत्ति को खत्म किया जा रहा है। नीतीश कुमार के हाथ में कुछ भी नहीं। उनकी सुनने वाले कोई नहीं है। दिल्ली से सरकार चल रही है। पीएम बिहार आते हैं तो पता नहीं कैसी-कैसी बातें करती हैं। उन्हें रोजगार की चिंता नहीं है। उन्हें चिंता है कि कांग्रेस के पोस्टर में तेजस्वी की तस्वीर नहीं है।

प्रियंका ने युवक को मंच पर बुलाया,समस्या सुनी : सभा के दौरान एक युवक प्रियंका गांधी को अपनी समस्या बताना चाहता था। प्रियंका गांधी ने उसे मंच पर बुलाया। उससे नाम पूछा। युवक ने कहा, आरिफ। प्रियंका ने कहा देखो ये है बिहार का नौजवान जो अपनी बात रखना चाहता है। अपनी समस्या अपना दर्द बताना चाहता है। प्रियंका ने उसे कहा कि आप थोड़ी देर रुकिए फिर मैं आपकी समस्या सुनती हूं। भाषण खत्म होने के बाद प्रियंका ने आरिफ की समस्या सुनी। प्रियंका गांधी ने मंच पर ही लड़की की पूरी समस्या सुनी। इनके भाई ने नीट का एग्जाम दिया था। इसने साथियों ने एसएससी का एग्जाम दिया था। जिस तरह से रिजल्ट आया उससे लगता है पेपर लीक हुई। हमने प्रदर्शन किया तो प्रशासन ने हमें पीटा। जैसे ये जब मंच पर आना चाहते थे तो पुलिस वालों ने इन्हें रोका। पुलिस वालों की गलती नहीं है उन्हें समझाया गया है कि जनता की आवाज दबानी है।

देश की संपत्ति को खत्म किया जा रहा है...

प्रियंका ने कहा... बिहार में जितने उद्योग लगे है, उसका क्या किया इस सरकार ने। पहले लोग चाहते थे कि सरकारी कारखाने में नौकरी लग जाए। लेकिन मोदी जी ने सारे उद्योग को अपने दो दोस्तों को सौंप दिया। अब सरकारी कारखानों में ठेकेदारी चल रही है। देश की संपत्ति को खत्म किया जा रहा है। प्रियंका गांधी ने कहा, नीतीश कुमार के हाथ में कुछ भी नहीं। उनकी सुनने वाले कोई नहीं है। दिल्ली से सरकार चल रही है। पीएम बिहार आते हैं तो पता नहीं कैसी-कैसी बातें करती हैं। उन्हें रोजगार की चिंता नहीं है। उन्हें चिंता है कि कांग्रेस के पोस्टर में तेजस्वी की तस्वीर नहीं है।

बिहार में राजग दो तिहाई बहुमत के साथ सत्ता में वापसी कर रहा है : राजनाथ सिंह

पटना/बांका, 05 नवम्बर 2025। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बिहार के बांका में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मीदवार के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए यह दावा किया कि नीतीश की अगुवाई वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) दो-तिहाई बहुमत के साथ राज्य में दुबारा सत्ता में आ रहा है। उन्होंने कांग्रेस समेत महागठबंधन में शामिल सभी दलों पर निशाना भी साधा। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि कांग्रेस कभी नहीं चाहती थी कि सीमावर्ती इलाकों में सड़कें बेहतर हों। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) भी नहीं चाहता था कि बिहार में विकास हो। राजनाथ सिंह ने राहुल गांधी के ऊपर सेना के राजनीतिकरण करने पर प्रहार किया और कहा कि सैनिक केवल एक धर्म का पालन करते हैं, जो सैन्य धर्म है। हमारी सेना को राजनीति में न घसीटें। जब भी इस देश पर संकट आया है, हमारे सैनिकों ने अपनी बहादुरी और पराक्रम का प्रदर्शन करके भारत का सिर ऊंचा किया है। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि आरक्षण होना चाहिए। हम (भाजपा) भी आरक्षण के समर्थक हैं। हमने गरीबों को आरक्षण दिया है। राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की राजनीति में विकास विरोधी सोच को खत्म कर दिया है। जब मोदी जी ने सत्ता संभाली, तब भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में 11वें स्थान पर थी। आज यह चौथे स्थान पर है और जल्द ही तीसरे स्थान पर पहुंचेगी। राजनाथ सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार पर आज तक भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा है, जबकि राजद के नीचे से लेकर शीर्ष पर बैठे सभी नेता भ्रष्टाचार के मामलों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजद शासन के दौरान बिहार का स्वास्थ्य बजट मात्र 700 करोड़ रुपये था, जो अब राजग सरकार में बढ़कर 20,000 करोड़ रुपये हो गया है। यह इस बात का प्रमाण है कि सरकार जनता के स्वास्थ्य को लेकर कितनी गंभीर है। उन्होंने कहा कि आज बिहार का बजट 3 लाख करोड़ से ऊपर का है, यह विकास की गाथा को लिख रहा है। राजनाथ सिंह ने कहा कि राजग कभी भी जाति, पंथ और धर्म के आधार पर लोगों के बीच भेदभाव नहीं करता। हम केवल विकास की बात करते हैं, जबकि महागठबंधन केवल लोगों को जाति, धर्म और भाषा के नाम पर बांटने का काम करता है।

एक्टर विजय बने तमिलगा वेत्री कझगम के सीएम कैंडिडेट

नई दिल्ली,05 नवम्बर 2025। साउथ एक्टर विजय थलपति की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम की बुधवार को महाबलीपुरम के एक होटल में मीटिंग हुई। इसमें विजय को 2026 तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए मुख्यमंत्री कैंडिडेट घोषित किया गया। साथ ही पार्टी ने उन्हें चुनावी गठबंधन तय करने का पूरा अधिकार भी सौंप दिया। करूर भगदड़ के बाद पहली बार विजय ने स्पेशल जनरल काउंसिल की बैठक में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा...2026 तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में मुकाबला सिर्फ तमिलगा वेत्री कझगम और सत्तारूढ़ डीएमके पार्टी के बीच होगा। मजबूत मुकाबले में तमिलगा वेत्री कझगम को 100% जीत मिलेगी। 27 सितंबर को तमिलनाडु के करूर में एक्टर विजय की रैली में हुई भगदड़ में 41 लोगों की मौत और 60 से ज्यादा घायल हुए थे। इसपर विजय ने कहा- अपनों को खोने का उन्हें दुख है। साथ ही कहा कि लोग घटना की जांच के लिए तमिलनाडु सरकार की बनाई एक सदस्यीय कमेटी पर सवाल उठा रहे हैं। जिसे बाद में सुप्रीम कोर्ट ने निलंबित कर दिया। दरअसल, एक्टर विजय ने 2 फरवरी 2024 को तमिलगा वेत्री कझगम बनाई। विधानसभा चुनाव 2026 में उतरने की घोषणा की। इसके चलते राज्यभर में रैलियां कर रहे हैं। करूर में भी इसी मकसद से रैली रखी गई। रैली के लिए 10 हजार लोगों की परमिशन थी। 50 हजार की भीड़ जमा हो गई।

भारत-पाकिस्तान सीमा पर त्रिशूल युद्धाभ्यास में पहली बार ड्रोन आर्मी ने आसमान से दागे बम

जोधपुर,05 नवम्बर 2025। जैसलमेर से सटे भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर पहली बार ड्रोन आर्मी उतारी गई है। त्रिशूल युद्धाभ्यास के दौरान ड्रोन ने आसमान से बम दागे और दुश्मन के ठिकानों को तबाह किया। दरअसल, सेना ने एक ऐसा प्रोग्राम शुरू किया है, जिसका नारा है हर फौजी के पास चील (ईगल) जैसी नजर होगी। इसका मतलब है कि अब सेना खुद ही ऐसे ड्रोन बना रही है, जो जंग के मैदान में कमाल दिखा सकते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार भारतीय सेना ने त्रिशूल अभ्यास के दौरान अपनी आसमानी सेना को भी अभ्यास में उतारा है और सेना अभ्यास ड्रोन के साथ दुश्मन को हर मोर्चे पर हराने के सफल प्रयोग कर रही है। यह पहल पूरी तरह से आत्मनिर्भर भारत की सोच पर आधारित है। दक्षिणी कमान ने इन ड्रोन को बनाने के लिए किसी और पर निर्भर न रहते हुए अपने अंदर ही एक पूरा सिस्टम तैयार कर लिया है। इसमें ड्रोन का डिजाइन बनाना, उसे विकसित करना और फिर बड़ी तादाद में बनाना (लार्ज-स्केल प्रोडक्शन) शामिल है।

सेना का मकसद साफ है जंग के लिए तैयार ड्रोन को सीधे सैनिकों के हाथ में देना। सेना की ईएमई कोर, तकनीकी हुनर और छोटे उद्योगों का साथइस काम को सफल बनाने के लिए सेना की ईएमई कोर (कोर ऑफ ईएमई) और भारत के छोटे व मध्यम उद्योगों को साथ लाया गया है। दक्षिणी कमान ने कई ड्रोन हब बनाए हैं। ये हब नई पीढ़ी के ऐसे मानव रहित हवाई सिस्टम यानी बिना इंसान वाले छोटे हवाई जहाज (ड्रोन) तैयार कर रहे हैं, जो तीन बड़े काम कर सकते हैं।

संपादकीय

भयावह असमानता

उदारीकरण व वैश्वीकरण के दौर के बाद पूरी दुनिया में आर्थिक असमानता अपने चरम पर जा पहुंची है। एक तरफ लोग मूलभूत सुविधाओं के अभाव में सड़कों पर उतर रहे हैं तो दूसरी ओर अमीर से और अमीर होते लोगों की विलासिता के किस्से तमाम हैं। जिस बात की पुष्टि स्वतंत्र विशेषज्ञों के जी-20 पैनल द्वारा किए एक अध्ययन के निष्कर्षों में की गई है। इस अध्ययन के अनुसार, वर्तमान में वैश्विक स्तर पर असमानता भयावह स्तर तक जा पहुंची है। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2000 और 2024 के बीच दुनिया भर में बनी नई संपत्तियों का बड़ा हिस्सा दुनिया के सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों के पास है। जबकि निचले स्तर की आधी आबादी के हिस्से में एक प्रतिशत ही आया है। निस्संदेह, भारत भी इस स्थिति में अपवाद नहीं है। देश के सबसे अमीर एक फीसदी लोगों ने केवल दो दशक में अपनी संपत्ति में 62 फीसदी की वृद्धि की है। दुनिया की इस चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में अमीर लगातार अमीर होते जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर गरीब गुरबत के दलदल से बाहर आने के लिए छटपटा रहे हैं। इस आर्थिक असमानता का ही नतीजा है कि अमीर व गरीब के बीच संसाधनों का असमान वितरण और बदतर स्थिति में पहुंच गया है। निस्संदेह, पैनल की हालिया रिपोर्ट नीति-निर्माताओं को असमानता के इस बढ़ते अंतर को पाटने के तरीके तलाशने और नये साधन खोजने के लिये प्रेरित करेगी। पिछले ही हफ्ते,केरल सरकार ने दावा किया था कि राज्य ने अत्यधिक गरीब तबके की गरीबी का उन्मूलन कर दिया है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञों ने इन दावों को लेकर संदेह जताया है। वहीं दूसरी ओर राज्य के विपक्ष ने भी इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। लेकिन इसके बावजूद राज्य में जन-केंद्रित विकास और सामुदायिक भागीदारी के लाभों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। निस्संदेह, इस पहल ने हजारों अत्यंत गरीब परिवारों को भोजन, स्वास्थ्य सेवा और आजीविका के बेहतर साधनों तक पहुंचने में मदद की है। इसमें दो राय नहीं कि यदि सरकारें वोट बैंक की राजनीति से इतर ईमानदारी से पहले करें तो गरीबी उन्मूलन की दिशा में सार्थक पहल की जा सकती है। चुनाव से पहले मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की तेजी से बढ़ती प्रवृत्ति पर अंकुश लगाया जाना चाहिए। यह एक हकीकत है कि कोई भी सुविधा मुफ्त नहीं हो सकती। इस तरह की लोकलुभावनी कोशिशों से राज्यों का वित्तीय घाटा ही प्रभावित होता है। जिसकी कीमत लोगों को विकास योजनाओं से दूर रहकर ही चुकानी पड़ती है। जनता को मुफ्त में सुविधाएं देने के बजाय ऋण व अनुदान से उत्पादकता बढ़ाकर उन्हें स्वावलंबी बनाना होगा। प्रत्येक चिन्हित गरीब परिवार के लिए सूक्ष्म योजनाएं तैयार करना और उन्हें क्रियान्वित करना उचित होगा। निस्संदेह, देश के अन्य राज्य भी अपनी जरूरतों और परिस्थितियों के अनुसार केरल के मॉडल को अपना सकते हैं। इसमें केंद्र व राज्य सरकारों को अनुकूल आंकड़ों का सहारा लेना भी जरूरी होगा। इस साल की शुरुआत में, विश्व बैंक ने बताया था कि भारत 2011-12 और 2022-23 के बीच 17 करोड़ लोगों को गरीबी की दलदल से बाहर निकालने में सफल रहा है। केंद्र सरकार ने अपने काम के लिये खुद की पीठ भी थपथपाई थी। हालांकि, गरीबी के अनुमानों की रिपोर्टिंग की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठाये गए थे। निर्विवाद रूप से सभी हितधारकों को यह तथ्य समझना होगा कि केवल संख्याएं ही पूरी तस्वीर को नहीं उकेर सकती हैं। गरीबी कम करने के प्रयासों के दावों के मुताबिक जमीनी स्तर पर गुणात्मक बदलाव नजर भी आना चाहिए। हालांकि, अर्थशास्त्री आमतौर पर संपत्ति कर लगाने के पक्षधर नहीं होते हैं, लेकिन सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अति-धनी लोग सरकारी खजाने में अपना उचित योगदान दें। अब चाहे कोई अमीर हो या गरीब, सबका ध्यान विकास पर केंद्रित किया जाना चाहिए। तभी देश उत्पादकता के क्षेत्र में आगे बढ़कर गरीबी उन्मूलन की दिशा में सार्थक प्रगति कर सकता है।

पांडव निष्ठा और भावुकता से सर्वसम्पन्न थे वही कौरव सर्वदोष सम्पन्न थे...

आत्माराम यादव

सत्य स्वयं प्रतिष्ठित होता है ओर सब कुछ सत्य का आधार पाकर प्रतिष्ठित होता है। आज विश्व में प्रतिष्ठित होने वाला यह मनुष्य दुखी क्यों है? चारों युगों में सुख दुख असमान रूप से प्रतिष्ठित रहा है जिसमें अगर द्वापरयुग का प्रकरण लिया जाए तो यह सभी के लिए प्रासंगिक होगा। इस युग में पांडव प्रकृतिसिद्ध -सहजसिद्ध थे वे राज्यवैभव से वंचित रह सर्वथा दीन-हीन दशा में,अनाथों की तरह रहे उनके जीवन में आए इस अपार दुख के लिए किसे उत्तरदायी मानोगे? भगवान श्रीकृष्ण नरावतार थे जो सोलह कलाओं के सृजक थे, वे सुख दुख की सीमाओं से परे थे, कोई भी भाव उन्हे प्रभावित नही कर सकता था, वे भावातीत थे। कौरव पात्रों में स्थिरता--दृढ़ता-निष्ठा धृति-आदि गुणों की संपन्नता खुद के प्रति गहरी ओर अटूट निष्ठा रही वही पांडव विशुद्ध भावुक थे भावना से भरे थे,भावुकता उनकी पहचान थी। शकुनि-कर्ण-दुर्योधन- दुःशासन-आदि जैसे केवल नीतिनिष्ठ थे, निष्ठा की पराकाष्ठा को जीना उनका धर्म था ओर यह निष्ठा किसी अन्य के लिए नहीं अपितु खुद के लिए थी। पांडवों ओर कोरवों में भावुकता ओर निष्ठा परस्पर रूप से एक दूसरे के वैचारिक भावों के विपरीत आश्चर्य कर देने वाली युक्ति थी। इसमें धर्मराज युधिष्ठर ओर इन्द्रावतार पार्थ अर्जुन को 'भावुकता' का सूत्राधार माना गया है जो तत्कालीन महाभारतयुग की सम-विषम कालिक, दैशिक, राष्ट्रिय स्थिति-परिस्थितियों को विहंगमदृष्टि को लक्ष्य बनाकर जीते रहे।

पांचों भाई देवताओं के अंश अवतार थे, धर्म का अवतार युधिष्ठर, वायु पुत्र भीम, इन्द्र पुत्र अर्जुन एवं अश्विनीकुमारों से नकुल सहदेव थे जो सभी प्रकार की निष्ठा ओर भावुकता को पूर्णता के साथ जीकर एक मिसाल कायम कर सके, अकेले अर्जुन की भावुकता की परिणीती श्रीमद भागवत गीता के रूप में जगत के समक्ष प्रगट हुई ओर उसके मन पर, हृदय में मंडरा रहे भावुकता के बादलों के विदा होते ही वह महाभारत जैसा युद्ध को अंजाम दे सका। इससे परे देखा जाए तो दुनिया में सुख देने वाले किसी साधन की कमी नहीं है। अगर इसका चिंतन किया जाए तो मनष्य ओर उसकी मानसिक अनुभूति में व्याप्त निष्ठा ओर भावुकता की प्रज्ञा इसका मूल कारण होगी। निष्ठा का निर्वहन करने वाला सब कुछ होते हुये भावुकता से भावुक बन जाए तो दुखी होगा, किन्तु जहां कुछ न रहते हुये निष्ठा ओर भावुकता का परित्याग कर दे तो वह सुखी होगा। मानव किसी भी युग का हो,किसी भी काल का या विशेषतः वर्तमान युग का ही ले लीजिये,वह दुखी है, क्यों? यह मूल प्रश्न है। इस मूल प्रश्न को इस प्रकार भी देखा जा सकता है कि 'कहाँ,कौन,कैसे ओर क्यों दुःखी है? 'कौन' का उत्तर 'हम' शब्द से दिया जाएगा तथा कहाँ ओर कैसे स्थान परिस्थिति को व्यक्त करेंगे एवं क्यों ? का उत्तर होगा निष्ठा ओर 'भावुकता। भावुक का आशय जहा परदृष्टा है वही निष्ठावान का अर्थ स्वदृष्टा से है। दूसरों को देखने वाला भावुक सुखी नहीं रह सकता वही खुद को देखने वाला निष्ठावान दुखी नही रह सकता है। पर दृष्टि भावुक लाभ नहीं देखता हानी अनुभव करता है इसलिए दुखी रहता है जबकि स्वदृष्टा निष्ठावान किसी भी प्रकार के लाभ का अवसर छोडता नहीं है, नुकसान का अनुभव करता है इसलिए सदैव सुखी रहता है। विश्व में कहीं भी किसी भी देश भाषा का निवासी मनुष्य अगर दुखी है तो उसका मूल कारण उसके भावनात्मक गुण का होना है। यानि वह व्यक्ति मन का सहज है, सहज ज्ञान ओर धर्म उसकी भावना के केंद्र में है। कठिन है। शास्त्र कहता है, 'यदि संसार में मानव को सुखी रहना है, तो उसे धर्मात्मा, पराक्रमी, अनुशासन से अनुशासित एवं प्रतिज्ञापालक होना चाहिए ।'

आदर्श युवा ग्राम सभा : जमीनी लोकतंत्र की नई पहल

आदर्श युवा ग्राम सभा शिक्षा को केवल पुस्तक ज्ञान तक सीमित नहीं रखती, बल्कि उसे व्यवहारिक लोकतंत्र से जोड़ती है। छात्रों को ग्राम सभा की बैठकों में शामिल होने, प्रस्ताव रखने और चर्चा में भाग लेने के अवसर दिए जाते हैं। यह अनुभव उन्हें नेतृत्व, संप्रेषण कौशल और निर्णय क्षमता सिखाता है। वास्तव में, यह पहल नागरिक शिक्षा का सबसे व्यवहारिक रूप है। जब छात्र स्वयं ग्राम विकास के निर्णयों में भाग लेते हैं, तब वे 'लोकतंत्र' शब्द का अर्थ पुस्तकों से नहीं, अनुभव से सीखते हैं। यही वह प्रक्रिया है जो भारत के भविष्य के नेताओं और जिम्मेदार नागरिकों का निर्माण करती है।

डॉ प्रियंका सौरभ

'आदर्श युवा ग्राम सभा' पहल का उद्देश्य युवाओं को स्थानीय स्वशासन, ग्राम पंचायत की कार्यप्रणाली और लोकतांत्रिक भागीदारी के मूल्यों से जोड़ना है। इस मंच के माध्यम से छात्रों को शासन के व्यवहारिक पक्ष से अवगत कराते हुए उनमें नेतृत्व, जिम्मेदारी और जनसेवा की भावना विकसित की जा रही है। यह पहल न केवल युवाओं में नागरिक चेतना जगाती है बल्कि उन्हें नीति निर्माण, निर्णय प्रक्रिया और विकास योजनाओं में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करती है। यह भारत के ग्रामीण लोकतंत्र में नई ऊर्जा और पारदर्शिता का संचार करने वाला परिवर्तनकारी प्रयास है। भारत एक लोकतांत्रिक गणराज्य है, जहाँ शासन व्यवस्था की आत्मा जनता की भागीदारी में निहित है। संविधान ने पंचायती राज व्यवस्था के माध्यम से ग्रामीण भारत को शासन की बुनियाद से जोड़ा है। लेकिन विडंबना यह रही कि युवा वर्ग, जो किसी भी समाज की सबसे ऊर्जावान और रचनात्मक शक्ति होता है, स्थानीय शासन व्यवस्था से लंबे समय तक अपेक्षाकृत दूर रहा। इस परिप्रेक्ष्य में 'आदर्श युवा ग्राम सभा' पहल एक नई उम्मीद के रूप में उभरी है, जो छात्रों और युवाओं को लोकतंत्र के व्यवहारिक पाठ से परिचित कराते हुए उन्हें सक्रिय नागरिकता की ओर प्रेरित करती है। यह पहल वास्तव में एक प्रयोगात्मक लोकतंत्र की प्रयोगशाला है, जहाँ छात्र केवल दर्शक नहीं बल्कि प्रतिभागी बनते हैं। यहाँ वे ग्राम स्तर के निर्णयों, पंचायत की कार्यप्रणाली, सामाजिक समस्याओं और विकास योजनाओं को न केवल समझते हैं बल्कि उनमें अपने सुझाव और विचार भी रखते हैं। इस प्रकार यह कार्यक्रम लोकतंत्र को मात्र चुनाव तक सीमित रखने के बजाय उसे निरंतर संवाद, विचार और जिम्मेदारी की प्रक्रिया में परिवर्तित करता है। भारतीय लोकतंत्र का वास्तविक सार 'जन भागीदारी' है। संविधान के अनुच्छेद 40 के अनुसार, राज्य का कर्तव्य है कि वह ग्राम पंचायतों को सशक्त बनाए। किंतु जब तक समाज का युवा वर्ग इसमें शामिल नहीं होगा, तब तक यह सशक्तिकरण अधूरा रहेगा। आदर्श युवा ग्राम सभा इस कमी को पूरा करती है। इसमें युवाओं को पंचायत की नीतियों, ग्राम विकास योजनाओं, वित्तीय पारदर्शिता और सामाजिक मुद्दों पर विचार-विमर्श का अवसर मिलता है। इससे उनमें न केवल राजनीतिक जागरूकता आती है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्कृति के प्रति गहरा सम्मान भी विकसित होता है। युवा वर्ग में शासन की समझ और सामाजिक उत्तरदायित्व का भाव विकसित करना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की स्थिरता के लिए आवश्यक है। यह पहल उस दिशा में एक मजबूत कदम है। इससे यह भी सुनिश्चित होता है कि अगली पीढ़ी केवल अधिकारों की मांग करने वाली नहीं, बल्कि दायित्वों को निभाने वाली भी बने। पारदर्शी और उत्तरदायी शासन तभी संभव है जब नागरिक उसकी प्रक्रियाओं को समझें और उनमें भागीदारी करें। आदर्श युवा ग्राम सभा इस दृष्टि से एक प्रेरणादायी मॉडल है। इसमें छात्र पंचायत सदस्यों के साथ बैठकर योजनाओं की प्राथमिकता तय करते हैं, बजट का विश्लेषण करते हैं और जनकल्याण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हैं। इस तरह लोकतंत्र केवल कागजों में नहीं, बल्कि व्यवहार में उतरता है। यह पहल ग्रामीण स्तर पर नवाचार को भी प्रोत्साहित करती है। युवा अपनी शिक्षा और तकनीकी समझ के आधार पर ग्राम पंचायतों को आधुनिक समाधान सुझा सकते हैं–जैसे डिजिटल रिकॉर्ड प्रणाली, जल संरक्षण के नए उपाय, अपशिष्ट प्रबंधन के स्थानीय मॉडल आदि। इससे विकास योजनाओं की गुणवत्ता और स्थायित्व दोनों में सुधार होता है।

सामाजिक समरसता और समावेशन की दिशा में कदम

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी समावेशिता है। आदर्श युवा ग्राम सभा विभिन्न वर्गों, जातियों और लिंगों के छात्रों को एक साझा मंच देती है जहाँ वे समान रूप से भाग ले सकते हैं। यह ग्रामीण समाज में सामाजिक समरसता और सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना को बढ़ाती है। विशेष रूप से ग्रामीण बालिकाओं के लिए यह पहल आत्मविश्वास और सशक्तिकरण का साधन बन सकती है। जब वे सार्वजनिक निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा बनती हैं, तो परिवार और समाज में उनके विचारों को मान्यता मिलने लगती है। यह परिवर्तन धीरे-धीरे सामाजिक रूढ़ियों को तोड़ने में सहायक हो सकता है।

लोकतंत्र के स्थायित्व की आधारशिला

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में नागरिक चेतना और भागीदारी का स्तर ही उसकी सफलता तय करता है। आदर्श युवा ग्राम सभा लोकतंत्र को केवल एक शासन प्रणाली नहीं, बल्कि एक जीवन पद्धति के रूप में स्थापित करती है। इससे लोकतंत्र 'ऊपर से नीचे' नहीं, बल्कि 'नीचे से ऊपर' की दिशा में मजबूत होता है। इस पहल से यह सुनिश्चित होता है कि अगली पीढ़ी लोकतंत्र के प्रति केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि बौद्धिक और नैतिक रूप से भी समर्पित हो। जब युवा स्थानीय शासन को समझते हैं, उसमें भाग लेते हैं और उसकी कमियों को सुधारने का प्रयास करते हैं, तब लोकतंत्र की जड़ें और गहरी होती हैं। देश के विभिन्न राज्यों में इस तरह की ग्राम सभाएँ प्रारंभिक स्तर पर प्रायोगिक रूप में चल रही हैं। जहाँ भी इन्हें लागू किया गया है, वहाँ ग्राम पंचायतों में पारदर्शिता बढ़ी है, जनजागरूकता में सुधार आया है और ग्रामीण युवाओं में नेतृत्व की नई लहर देखी गई है। इस पहल से ग्रामीण शासन में 'ownership' की भावना विकसित होती है। जब विद्यार्थी अपने गाँव की परियोजनाओं, स्वच्छता अभियानों, शिक्षा कार्यक्रमों या स्वास्थ्य योजनाओं की समीक्षा करते हैं, तब वे अपने गाँव को केवल निवास स्थान नहीं, बल्कि जिम्मेदारी का क्षेत्र मानने लगते हैं। 'आदर्श युवा ग्राम सभा' भारत के लोकतांत्रिक ढांचे में नई चेतना का संचार करने वाली पहल है। यह न केवल स्थानीय शासन में युवाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करती है, बल्कि भविष्य के नागरिकों को जिम्मेदार, जागरूक और संवेदनशील बनाने की दिशा में भी अग्रसर है। यदि इसे संस्थागत रूप से स्कूलों और पंचायतों में जोड़ा जाए, तो यह भारत के ग्रामीण लोकतंत्र की तस्वीर बदल सकती है। यह पहल दिखाती है कि लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने, विचारों को सुनने और भविष्य को गढ़ने की सतत प्रक्रिया है। भारत के युवाओं की सहभागिता से सशक्त यह ग्राम सभा आने वाले वर्षों में 'भागीदारी लोकतंत्र' की सबसे मजबूत नींव रख सकती है – जहाँ निर्णय जनता के लिए नहीं, जनता के साथ मिलकर लिए जाएँ।

हम दिखावे में नहीं सेवा पर विश्वास रखते हैं

संजय गोस्वामी

ममता कुलकर्णी के दाऊद इब्राहिम पर 'शब्द' एक विवाद से जुड़े हैं जिसमें उन्होंने कहा था कि वह आतंकवादी नहीं है, लेकिन बाद में उन्होंने अपनी टिप्पणियों पर स्पष्टीकरण दिया। इस विवाद के कारण जनवरी 2025 में किन्नर अखाड़े ने उन्हें महामंडलेश्वर के रूप में उनकी आध्यात्मिक भूमिका से निष्कासित कर दिया। प्रारंभिक विवादास्पद बयानः कुलकर्णी ने कथित तौर पर कहा था कि दाऊद इब्राहिम आतंकवादी नहीं है। बाद में स्पष्टीकरणः उन्होंने बाद में इन टिप्पणियों पर स्पष्टीकरण दिया लेकिन इसका क्या मतलब ऐ तो देशद्रोह का मुकदमा चलना चाहिए आखिर महा कुम्भ में मैं ना जाकर बहुत अच्छा किया क्योंकि मुझे मालूम था वहाँ आस्था की नहीं पैसे वाले, राजनेता, माफियाओ की की भी टोली होगी इसमें हमेशा वही लोग आते हैं जिन्हे लगता है मुझे अमृत मिल गया और अब मैं कभी मरूंगा नहीं लेकिन वहाँ जाने पर आप को इस बात की जरूर चिंता करनी चाहिए कि आखिर ममता कुलकर्णी ने वहाँ गई भी हो तो उन्हें महामंडलेश्वर पद पर रखने से पहले क्यों नहीं उसकी जाँच की गई जरुरत ऐ नहीं की हम अमृत का पान करें जरुरत ऐ है कि दाऊद जैसे मुंबई बम ब्लास्ट का मुख्य आरोपी के प्रति इतनी भोलापन कैसा ऐ भी उस समय हुआ जब अयोध्या में भगवान श्री राम के मंदिर के प्रति लोगों की आस्था थी और बाबरी मस्जिद को लेकर कुछ अल्पसंख्यक का अलग मत था क्या महा कुम्भ में भगवान राम नहीं आए एक बात सुन ले जहाँ भी भगवान राम नहीं जाते हैं वहाँ क़ोई भी पूजा पाठ सफल नहीं होगा मैं उनके चरणों को प्रणाम करता हूँ मेरी आस्था अमृत पाने की नहीं बल्कि भगवान राम के लिए जीना और उनके लिए मरना है जिंदगी में सबको देख लीजिये अगर आपके पास धन दौलत है तो लोग आते हैं लेकिन जैसा ही आप बीमार होते है तो कितने लोग सिर्फ झांकी मारने आते हैं सेवा एक दो या नर्स के सहारे होता है बाद में लोग अजीज होकर वही लोग मरने की दुआ करते हैं लेकिन मन में अगर भगवान राम को सच्चे दिल से याद करेंगे तो एक असीमित शक्ति का अहसास होगा यही राम की दयालुता है जो सभी कष्ट से मुक्त करता है एक बार भी स्कूल में इसका ज्ञान सही तरीके से दिया जाए तो समाज में दिखावापन, अंधभक्ति, अंधविश्वास आदि दूर होंगे और सत्य की राह पर चलेंगे, आज जो महाकुम्भ में जाकर भगवान की भक्तई के बारे में जो अवधारना है उसे दूर करने की कोशिश करेंगे क्या एक दिन में या 3-4 दिन में गाड़ी चलाना सीखा जा सकता है नहीं वैसे ही ईश्वर की भक्ति 2-3 दिन का खेल नहीं है भक्ति को जानने के लिए राम भक्त हनुमान की बात करते हैं हनुमान जैसा राम का भक्त क़ोई नहीं हुआ क्योंकि उनके पास राम रसायन था और ब्रह्मचारी थे वो तो हमेशा राम नाम का ही जाप करते थे अतः 'भक्ति के प्रतीक' हनुमान के बारे में बात करते हैं, जिसमें बताया गया है कि किसी के जीवन में हनुमान बनने के लिए क्या करना पड़ता है और किसी को 'हनुमान' कहने का क्या अर्थ है। इसे विस्तार से समझाने के लिए, मैं आपको भगवान राम और हनुमान के प्रति उनके प्रेम की एक सुंदर कहानी सुनाता हूँ। भगवान राम और हनुमान की कथाः राम भक्त हनुमान अनगिनत कथाओं में से, भगवान राम और हनुमान की कथा, रामायण का यह विशेष पहलू मुझे हमेशा मुस्कुराहट देता है। भगवान राम के राज्याभिषेक के बाद, हनुमान जी अयोध्या में ही रहे और उन्होंने भगवान राम की सभी सेवाओं में पूरी तत्परता से भाग लिया। अन्य लोगों को अपने प्रिय भगवान राम की किसी भी प्रकार की सेवा करने का अवसर नहीं मिला। लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न स्वयं को सेवा करने में असमर्थ महसूस कर रहे थे। उन्होंने माता सीता से हस्तक्षेप करने के लिए कहा। सीता देवी ने समझाया कि वह भी अपने प्रभु की सेवा नहीं कर सकतीं। उन्होंने एक सेवा कार्यक्रम बनाने का निर्णय लिया, जिसमें सभी कार्य आपस में बाँट लिए गए, लेकिन हनुमान जी को इसमें शामिल नहीं किया गया। इसलिए, चारों ने विचार-विमर्श किया और सुबह से लेकर भगवान राम के सोने तक की सेवाओं का एक कार्यक्रम तैयार किया। उन्होंने भगवान राम की स्वीकृति के लिए कार्यक्रम सीता देवी को प्रस्तुत किया। सीता देवी उसे लेकर उनके पास गईं। कार्यक्रम की समीक्षा करने पर, भगवान राम ने देखा कि हनुमान जी को कोई सेवा नहीं दी गई थी। वे अपने भाइयों और सीता देवी की भावनाओं और हनुमान जी को न देने के पीछे के उद्देश्य को समझ गए। उन्होंने परिणाम का पूर्वाभास कर लिया, लेकिन केवल मुस्कुराए और सीता से पूछा कि उन्हें क्या करना चाहिए। सीता देवी ने भगवान राम से सूची पर हस्ताक्षर और मुहर लगाने का अनुरोध किया, जिससे यह आधिकारिक हो जाए। भगवान राम ने ऐसा किया और सूची प्रदर्शित की गई। अगले दिन, हनुमान जी भोलेपन से भगवान राम के कक्ष में राम के पैर की मालिश करने के लिए गए। लक्ष्मण ने हनुमान जी को यह समझाते हुए पुनः निर्देशित किया कि स्वीकृत कार्यक्रम के अनुसार सेवा शत्रुघ्न को सौंपी गई थी। हनुमान जी ने पाया कि उन्हें किसी भी सेवा में शामिल नहीं किया गया था और वे उपेक्षित महसूस कर रहे थे। खुद को सांत्वना देने के बाद, हनुमान जी ने लक्ष्मण से पूछा कि क्या वे कोई अनिर्धारित सेवा कर सकते हैं। लक्ष्मण सहमत हो गए, उन्हें विश्वास था कि उन्होंने कोई भी कार्य अनदेखा नहीं किया है। हनुमान जी ने जम्हाई लेने की सेवा का प्रस्ताव रखा - भगवान राम के जम्हाई लेने पर अपनी उंगलियाँ चटकाना, जिससे उन्हें बुरे प्रभावों से बचाया जा सके। इस कार्य के पीछे छिपी बुद्धिमत्ता से अनभिज्ञ, वे सहमत हो गए। चूँकि जम्हाई अप्रत्याशित रूप से आ सकती थी, हनुमान जी निरंतर सतर्क रहे। उन्होंने प्रसाद ग्रहण करने की अपनी परंपरा भी बदल दी और भगवान राम के जम्हाई लेने पर अपना दाहिना हाथ चटकाने के लिए खाली रखा, जिससे उनकी अटूट प्रतिबद्धता का परिचय मिला। माता सीता, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न चकित थे। भगवान राम मन ही मन मुस्कुराए, हनुमान जी की अद्वितीय बुद्धिमत्ता को स्वीकार करते हुए। एक रात, भगवान राम शयन कक्ष में चले गए। सीता देवी के विरोध के बावजूद हनुमान जी भी उनके पीछे चले गए। हनुमान जी ने रात में भगवान राम की सेवा करने पर ज़ोर दिया, यह कहते हुए कि यह आवश्यक है। यह बातचीत देखकर, भगवान राम ने हनुमान जी को विश्राम करने का निर्देश दिया। आदेश का पालन करते हुए, हनुमान जी चले गए। हालाँकि, उन्होंने बालकनी से भगवान राम का नाम जपते और उंगलियाँ चटकाते हुए अपनी सेवा जारी रखी। भगवान राम बार-बार जम्हाई लेने लगे।

थैंक गॉड, मैं कुँवारा हूँ...

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

वाह! क्या खबर है! इसे पढ़कर तो अपनी बची-खुची हिम्मत ने भी जवाब दे दिया है। थैंक गॉड, मैं कुँवारा हूँ। अगर शादी-शुदा होता, तो इस समय ये पंक्तियाँ लिखने की बजाय भगवान चित्रगुप्त के दरबार में हाज़िरी लगा रहा होता और उनसे अपनी 'असामयिक मृत्यु' का कारण पूछ रहा होता। वही तो हैं जो इस 'पहचान के संकट' की घड़ी में मदद कर सकते थे। अपनी खाताबही देखकर बता सकते थे कि मेरी 'एक्सपायरी डेट' तो अगले चालीस साल बाद की थी, फिर ये 'अर्ली डिलीवरी' का ऑर्डर किसने प्लेस कर दिया? समस्या सिर्फ मेरी नहीं होती, शर्मा जी, वर्मा जी, खान साहब और मिस्टर डिसूजा, सबको यही फेस करनी पड़ रही होती। बल्कि मिस्टर डिसूजा को तो और भी ज़्यादा, क्योंकि उनके यहाँ तो आत्मा की आवाजाही का कोई सेंट्रलाइज्ड डेटाबेस ही नहीं है। यमलोक का आईटी डिपार्टमेंट तो वैसे भी सिर्फ सनातनियों का रिकॉर्ड मेंटेन करता है। बहरहाल, अपन के लिए बड़ा सवाल ये है कि अगर यमराज के दूत वक्त से पहले दरवाज़े पर आ खड़े होते तो अपन क्या करते? शायद उनसे कहते, 'भाई साहब, अपॉइंटमेंट तो अगले जन्म का था, आप ज़रा जल्दी नहीं आ गए? ' गिव-अप ही कर देता। भाड़ में जाए ये सात जन्मों का साथ। जब एक जन्म का साथ ही इतना रिस्की हो गया हो, तो अगले छह जन्मों का कॉन्ट्रैक्ट साइन करने की हिम्मत कौन करे? पहले के ज़माने में पति परमेश्वर होते थे, अब 'परमानेंट सोर्स ऑफ़ इंश्योरेंस क्लेम' हो गए हैं। पत्नियाँ अब करवा चौथ का व्रत नहीं रखतीं, बल्कि यमराज को सुपारी देती हैं। पहले वे पति की लंबी उम्र की कामना करती थीं, अब यमदूतों के साथ मिलकर उनकी 'लॉन्ग जर्नी' की प्लानिंग करती हैं। बदला क्या है? कुछ नहीं, बस प्रेम का स्वरूप बदल गया है। पहले प्रेम त्याग और समर्पण था, अब यह प्लानिंग और एक्ज़ीक्यूशन है। करप्शन, महँगाई, बेरोज़गारी तो अपनी जगह हैं ही, अब तो घर की चारदीवारी भी सुरक्षित नहीं रही। बाहर निकलो तो सिस्टम का डर, घर में रहो तो जीवनसाथी का। अमीर और अमीर हो रहे हैं,गरीब और गरीब, और हम जैसे शादीशुदा मर्द 'स्वर्गीय' होने की कतार में लगे हैं। जितनी बार पत्नी 'बाबू, शोना' बोले, समझ लो यमलोक का टिकट कन्फर्म होने की संभावना उतने गुना बढ़ जाती है। दोनों में एक ख़ास क़िस्म का को-रिलेशन है। एक दिन सारी जायदाद उनकी होगी, पति तो बस एक एंट्री बनकर रह जाएगा चित्रगुप्त की डायरी में। भ्रम और घबराहट कल्लू बाबू में भी हैं, मगर वे शादीशुदा होने के नाते पलायन में भरोसा नहीं रख सकते। पिछले हफ़्ते मिले तो चेहरे पर बारह बजे हुए थे। बोले - 'एतना जल्दी घबराइएगा नहीं मिसिरबाबू। शादी तो मेहरारू के हाथ में है। निभाना न निभाना उसी के हाथ में है। अब तो बस 'ऑल इज़ वेल' बोलकर जीते रहिए।' मैंने कहा, 'कल्लू बाबू, ऑल इज़ वेल कैसे बोलें? आजकल अख़बार में ख़बर कम, श्रद्धांजलि ज़्यादा छपती है। हर दूसरी ख़बर में एक पति, एक पत्नी और एक 'वो' होता है। ये 'वो' ही तो असली विलेन है, जो हमारे-आपके जैसे शरीफ़ आदमियों की सीधी-सादी गृहस्थी में 'बिग बॉस' का ट्विस्ट ले आता है।' कल्लू बाबू ने गहरी साँस ली, 'का करें मिसिरबाबू, प्रेम अंधा होता है, पर आजकल का प्रेम तो अंधा होने के साथ-साथ ख़तरनाक भी हो गया है। उसे जायदाद भी दिखती है और रास्ते का काँटा भी। अपन तो अब घर में चाय भी फूंक-फूंककर पीते हैं, का पता उसमें चीनी की जगह चूहे मारने की दवा मिला दी हो।'

कविता

राज किशोर वाजपेयी 'अभय' ग्वालियर

अद्भुत और खास कार्तिक मास

भारतीय सनातन संस्कृति में बहुत महत्वपूर्ण योगदान भारतीय कालगणना का है ।विश्व भर में विख्यात यह कालगणना भारतीय वर्ष को जिन 12 माह में विभाजित करती है उसमें भगवान विष्णु को समर्पित कार्तिक मास का बहुत महत्व है ।यही वह है मास है जो बाल्मीकि जयंती अर्थात शरद पूर्णिमा से प्रारंभ होकर देश दीपावली अर्थात कार्तिक पूर्णिमा तक विस्तृत है। शरद पूर्णिमा से प्रारंभ हुए मास में नवरात्रि, विजया-दशमी इसी मास में, रानी दुर्गावती जयंती,विश्व दृष्टि दिवस (13 अक्टूबर) गुरु गोविंद सिंह पुण्यतिथि (के साथ-साथ (31 अक्टूबर) सरदार पटेल सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती, भारत की प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि के रूप में भी आती है। वहीं त्यौहारों में की बात करवा चौथ,स्कंद षष्ठी जो कुमार स्कंद की जन्म तिथि है, के साथ-साथ पांच दिवसीय दीपावली पर्व भी इसी कार्तिक मास में मनाया जाता है । पांच दिवसीय दीपावली पर्व पर जो धनतेरस,नरक चतुर्दशी जो नरकासुर वध के लिए जानी जाती है,

दीपावली जो राम के श्री लंका विजय के उपरांत अयोध्या लौटने के उपलक्ष में अयोध्या वासियों द्वारा दीपिका सजा कर मनाई गई थी, और आज यह त्यौहार पूरे भारतवर्ष में दीपावली के रूप में मनाया जाता है। विदेशों में भी जहां जहां भारतवंशी रहते हैं यह बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। दीपावली के अगले दिन अन्नकूट महोत्सव और गोवर्धन पूजा होती है। वही गोवर्धन जिसमें गांव के गोबर को खेतों में उत्पादक शक्ति बढ़ाने के लिए डाला जाता है और गोवर्धन पर्वत की कृष्ण-कालीन कथाओं के साथ पूजा की जाती है। अगला दिन *यम-द्वितीया* या भाई-दौज के रूप में मनाया जाता है। इस प्रकार यह पंच दिवसीय दीपोत्सव भारत का अमावस्या के घर में दीपों की ज्योति से अंधकार को पराजित करने का पर्व बन जाता है। सनातन धर्म अपनी धर्मिता-उत्सव की ऐसी सतरंगी छटा जीवन में उतारता है कि जिससे जीवन आनंद की आभा से युक्त हो जाता है। आभा से युक्त हो जाता है। यही वह कार्तिक मास है जिसे तारकासुर का वध करने वाले कार्तिकेय के नाम से जाना जाता है।

हम सबको अपने भारतीय पंचांग के माध्यम से अपने मासों त्यौहारों उत्सव परंपराओं को भी जानना इसलिए आवश्यक है क्योंकि सनातन परंपरा मानव मात्र के कल्याण का ऐसा एकमात्र रास्ता है जो विश्व कल्याण और विश्व शांति के साथ परस्पर एक दूसरे के विचारों को सम्मान देने की भावना व अपने अपने मतानुसार ईश्वर को मानने की मान्यता देता है।इसीलिए यह कहना सार्थक है कि अद्भुत और खासःकार्तिक मास। हम सबको अपने रीति-रिवाजों परंपराओं के प्रति जागरूक होकर जुड़ना चाहिए। दीपावली आध्यात्मिक और भौतिक स्वच्छता का भी पर्व है। हमें उसे उसी रूप में मना सार्थक करना चाहिए। हम अपने सामाजिक सरोकारों से भी जुड़े रहें यही कार्तिक मास का संदेश है।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

राज्योत्सव 2025: जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह का शानदार समापन

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में लोक संस्कृति की दिखी झलक
विभिन्न कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से मोहा दर्शकों का मन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,05 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह का शानदार समापन बुधवार को हुआ। कार्यक्रम के अंतिम दिन लोक कलाकारों, स्कूली छात्र-छात्राओं की मनमोहक प्रस्तुतियों ने महोत्सव में चार चांद लगा दिए। देर शाम तक लगातार एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं गीतों का सिलसिला चला। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरुपा सिंह, नगर निगम महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, सभापति श्री हरमिंदर सिंह टिन्नी, पार्षद श्री आलोक दुबे, कलेक्टर श्री विलास भोसकर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री राजेश अग्रवाल,जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमोलक सिंह ढिल्लो, स्थानीय जनप्रतिधिगण, अधिकारी-कर्मचारी, आमजन उपस्थित रहे। समारोह में कलाकरों ने विभिन्न विधाओं के नृत्य शैली और नाटक के माध्यम से छत्तीसगढ़ की कला एवं संस्कृति को प्रदर्शित किया। इस दौरान साइबर एक्सपर्ट भोजराज ने साइब अपराधों के सम्बन्ध में लोगों को बताया। सरगुजिहा लोक गायक संजय सुरीला के लोक गीतों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। उन्होंने सरगुजिहा एवं छत्तीसगढ़ी गीतों की प्रस्तुतियां दीं। हाय रे सरगुजा नाचे...गीत पर दर्शक झूम उठे। इस दौरान रित्विका बनर्जी ने कत्थक नृत्य की प्रस्तुति दी। वहीं स्थानीय कलाकारों में रिदम बेंड द्वारा गीत एवं संगीत की शानदार प्रस्तुति दी गई। गायक रवि पाण्डेय, शशि लता, आंचल मुदलियार, भानुप्रकाश मुखर्जी के गीतों से समा बंधा। इसी क्रम में विशेष श्रीवास्तव द्वारा वाईलन वादन, राधिका दास द्वारा शास्त्रीय नृत्य का प्रदर्शन किया गया।

स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की दी प्रस्तुति : छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति व तीज त्यौहारों के साथ ही देशभक्ति गानों की थीम पर थिरकते हुए स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राओं की प्रतिभा को देखकर उपस्थित दर्शकों ने भी उनका उत्साहवर्धन किया।

इस दौरान नवोदय विद्यालय द्वारा राजस्थानी नृत्य, कार्मेल स्कूल द्वारा सुआ नृत्य, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय लुण्ड्रा द्वारा गुजराती नृत्य एवं छत्तीसगढ़ नृत्य, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय उदयपुर द्वारा छत्तीसगढ़ नृत्य, एकलव्य विद्यालय रिखी-उदयपुर द्वारा आदिवासी लोक नृत्य, एकलव्य विद्यालय सहनपुर-लुण्ड्रा द्वारा सुघ्घर छत्तीसगढ़, नवीन संगीत महाविद्यालय द्वारा कथक, न्यू डेल्ही पब्लिक स्कूल द्वारा लोक गीत, स्वामी आत्मानंद स्कूल सोहगा द्वारा नागपुरी नृत्य, सेजेस ब्रम्हपारा द्वारा नुक्कड़ नाटक एवं समूह गान, दशमेश विद्यालय द्वारा गिद्दा नृत्य, नवीन संगीत महाविद्यालय द्वारा संबलपुरी फोग नृत्य, संत हरकेवल शिक्षा महाविद्यालय द्वारा छत्तीसगढ़ नृत्य प्रस्तुत किया गया।

राज्योत्सव में सूरजपुर पुलिस का जागरूकता स्टॉल बना आकर्षण का केंद

-संवाददाता-
सूरजपुर,05 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस (राज्योत्सव) के अवसर पर स्टेडियम ग्राउण्ड में जिला स्तरीय राज्योत्सव कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ हुआ। राज्योत्सव में डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर के मार्गदर्शन में पुलिस द्वारा जनजागरूकता हेतु एक विशेष प्रदर्शनी स्टॉल लगाया गया, जिसमें सायबर सुरक्षा, नशा मुक्ति अभियान एवं यातायात नियम तथा अन्य विषयों से संबंधित जानकारी आम नागरिकों को दी गई। राज्योत्सव के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय महिला बाल विकास एवं समाज कल्याण विभाग मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने सूरजपुर पुलिस के जन जागरूकता स्टाल का भ्रमण किया। माननीय मंत्री महोदया ने सायबर सुरक्षा, नशा मुक्ति, यातायात नियमों, राहवीर योजना सहित अन्य ज्ञानवर्धक प्रदर्शनी से संबंधित पोस्टर एवं जानकारी का अवलोकन किया तथा सूरजपुर पुलिस के जन जागरूकता प्रयासों की प्रशंसा की। इस अवसर पर कलेक्टर श्री एस.जयवर्धन, डीएफओ श्री पंकज कमल, सीईओ जिला पंचायत श्री विजेन्द्र सिंह पाटले, सम्मानित जनप्रतिनिधिगण व नागरिकगण उपस्थित रहे। पुलिस के स्टाल में साइबर ठगी और सोशल मीडिया सुरक्षा के उपाए, नशा मुक्ति के लिए संगठित प्रयासों का ब्यौरा, सड़क दुर्घटना से बचाव के लिए महत्वपूर्ण जानकारी, नवीन आपराधिक कानूनों के प्रावधानों, सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद के लिए राहवीर योजना की जानकारी, यातायात नियमों की जानकारी एवं साइबर सुरक्षा से संबंधित शॉट विडियों का प्रोजेक्टर और एलसीडी के माध्यम से प्रदर्शनी की गई।

अनोखी सोच डांस कॉम्पिटिशन का ग्रैंड फिनाले में बिलासपुर की राइज वन डांस ग्रुप ने जीता प्रथम पुरस्कार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,05 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

समाजसेवी संस्था अनोखी सोच द्वारा आयोजित डांस प्रतियोगिता 2025 का ग्रैंड फिनाले मंगलवार की रात संपन्न हुआ। रंग, रोशनी और ताल से सजे इस कार्यक्रम में कुल 24 फाइनलिस्टों ने अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया। फिनाले में सीनियर, जूनियर और ग्रुप डांस श्रेणियों में प्रतियोगिता आयोजित की गई थी, जिसमें प्रतिभागियों ने दर्शकों का दिल जीता। ग्रुप डांस राउंड का मुख्य आकर्षण रहा, जिसमें बिलासपुर की प्रसिद्ध टीम राइज़ वन डांस ग्रुप ने अपनी शानदार प्रस्तुति से प्रथम स्थान प्राप्त किया और 2.51 लाख की इनामी राशि अपने नाम की। दूसरे स्थान पर रायगढ़ की जय माँ दुर्गा टीम रही, जिन्हें 75 हजार रुपए का पुरस्कार मिला, जबकि तीसरा स्थान झारखंड के लोहरदग्गा की आरआरडी ग्रुप ने प्राप्त किया और 51 हजार की राशि से सम्मानित किया गया। सीनियर सिंगल डांस श्रेणी में वाराणसी के दिग्विजय सिंह ने प्रथम स्थान हासिल किया और 1 लाख रुपए की राशि जीती। धीरज थापा (मुंबई) को द्वितीय स्थान मिला और 51 हजार का इनाम मिला, जबकि तृतीय स्थान अम्बिकापुर के सिद्धार्थ यादव ने

प्राप्त किया और 21 हजार की राशि से सम्मानित किए गए। जूनियर सिंग्ल डांस श्रेणी में सूर्यांश दास ने प्रथम, सिमरन सोनी ने द्वितीय और आरुषि यादव (बिलासपुर) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा, दुर्गा पूजन के अवसर पर रंगोली और मेहंदी प्रतियोगिता के परिणाम भी घोषित किए गए, और सभी विजेताओं को नगद राशि और आकर्षक उपहारों से सम्मानित किया गया। फिनाले में जगह बनाने वाले अन्य सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम में महापौर मंजूषा भगत, शफ़ी अहमद, अनिल सिंह मेजर, संजय अमबस्ट, विनोद अग्रवाल, हरमिंदर सिंह टिन्नी, विनोद हर्ष, निश्चल प्रताप सिंह, जन्मेजय मिश्रा सहित अन्य उपस्थिति रहे। निर्णायक मंडल में कई प्रतिष्ठित व्यक्ति शामिल थे, जिन्होंने प्रतियोगिता के परिणामों का निर्धारण किया। निर्णायक मंडल में श्रीमति प्राची जिंदल, रमेश द्विवेदी, मो. शिफ़ते हसन, अंजनी कुमार पांडेय, डॉ. शलभ गुप्ता, रणविजय प्रताप सिंह, रिमशा श्रीवास्तव, पूजा सिंह, वंदना दत्ता, श्वेता सिन्हा, डॉ शबनम खानम, विनायक पांडेय एवं रमिंदर कौर शामिल थे। समारोह का समापन शानदार आतिशबाज़ी और सम्मान समारोह के साथ हुआ। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था अध्यक्ष सूर्यप्रकाश साहू, अभय साहू, लालजी साहू सहित सभी कर्मठ सदस्यों की भूमिका रही।

'वंदे मातरम्' सामूहिक गायन कार्यक्रम की तैयारी को लेकर आवश्यक बैठक संपन्न

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,05 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

आज संकल्प भवन भाजपा कार्यालय में आगामी 'वंदे मातरम् गीत का सामूहिक गायन कार्यक्रम' की तैयारियों को लेकर एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में अंबिकापुर के राजमोहिनी भवन में आयोजित होने वाले इस भव्य कार्यक्रम की रूपरेखा, व्यवस्था, और प्रचार-प्रसार से संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई, तथा तैयारियों को लेकर पदाधिकारियों के लिए आवश्यक ज़िम्मेदारी तय की गई। आगामी कार्यक्रम को लेकर जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने जिला में निवासरत सभी प्रदेश, जिला, मंडल, शक्ति केंद्र, बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं, पूर्व एवं वर्तमान पदाधिकारियों से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस ऐतिहासिक कार्यक्रम को सफल बनाएं। उन्होंने कहा है कि 'वंदे मातरम्' गीत भारतीय आत्मा का प्रतीक है,और इस सामूहिक गायन से राष्ट्रप्रेम की भावना को और अधिक सशक्त किया जा सकेगा। बैठक में पूर्व जिला अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के जिला संयोजक ललन प्रताप सिंह ने कहा कि 'वंदे मातरम्' का सामूहिक गायन केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह देशभक्ति और एकता का प्रतीक आयोजन है, जिसमें प्रत्येक कार्यकर्ता की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। इस अवसर पर महापौर श्रीमती मंजूषा भगत ने कहा कि 'वंदे मातरम्' गीत हमारे राष्ट्र की आत्मा से जुड़ा हुआ है। इस सामूहिक गायन के माध्यम से शहर के नागरिकों में देशप्रेम,एकता और गौरव की भावना को सशक्त करने का यह एक प्रेरणादायी अवसर होगा। उन्होंने सभी नगरवासियों से इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लेने की अपील की। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता अंबिकेश केशरी ने वंदे मातरम् गीत को शांतिपूर्ण माहौल में शुद्ध उच्चारण के साथ गायन का अपील किया है । जिला महामंत्री एवं कार्यक्रम के सह संयोजक विनोद हर्ष ने 07नवम्बर 2025 (शुक्रवार) प्रातः 10:00 बजे से राजमोहिनी भवन, अंबिकापुर में होने वाले 'वंदे मातरम' सामूहिक गायन कार्यक्रम की जानकारी दी। बैठक में महामंत्री अरुणा सिंह, उपाध्यक्ष मधुसूदन शुक्ला, विकास पांडेय एवं इंदर भगत, जन्मजय मिश्रा, रुपेश दुबे, अनिल जायसवाल, कमलेश तिवारी, मनोज कंसारी, निरंजन राय, अभिषेक सिंहदेव, नीलम राजवाड़े, प्रियंका चौबे, सरिता जायसवाल, जतीन परमार, भूपेन्द्र सिंह, निशांत गुप्ता सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

धूमधाम से मनाया गया खाटूवाले श्याम बाबा का 29वां वार्षिक महोत्सव

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,05 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

बुधवार को श्याम बाबा के 29वें वार्षिक महोत्सव के मौके पर शहर में भव्य निशान यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हाथों में रंग-बिरंगे आकर्षक निशान लेकर श्याम बाबा के नाम का जाप किया। यात्रा का आयोजन श्याम सेवा मंडल द्वारा किया गया,जो पूरे शहर में धूमधाम से मनाया गया। श्रद्धालुओं ने श्याम बाबा के दर पर पहुंचकर निशान अर्पित करते हुए उनसे मनौती मांगी और सच्चे मन से उनकी आराधना की। शोभायात्रा राम मंदिर से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख चौक-चौराहों से गुजरती हुई श्याम बाबा के मंदिर में समाप्त हुई। यात्रा का मार्ग जय स्तंभ चौक, महामाया चौक, संगम चौक, देवीगंज रोड, घड़ी चौक और गांधी चौक से होते हुए पीजी कॉलेज के सामने स्थित श्याम बाबा के मंदिर तक था। शोभायात्रा के दौरान श्याम बाबा की आकर्षक झांकी भी निकाली गई, जिसमें विशेष रूप से श्याम बाबा की शीश दान वाली झांकी को फूलों से सजाया गया था। शोभायात्रा के दौरान राधा-कृष्ण की झांकी को विशेष रूप से आकर्षक बनाया गया था। झूले पर झूलते राधा-कृष्ण के साथ गोपियां नाचते हुए दिखाई दे रही थीं, जो श्रद्धालुओं के लिए एक अद्भुत दृश्य था। इसके अलावा अन्य झांकियां भी प्रमुख आकर्षण का केंद्र बनीं। शोभायात्रा में पुरुषों और महिलाओं की बड़ी संख्या शामिल रही, जिन्होंने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। शाम को श्याम बाबा के मंदिर में संकीर्तन और जागरण का आयोजन किया गया, जो देर रात तक चलता रहा। इस कार्यक्रम में भक्तों ने भक्ति संगीत के साथ श्याम बाबा की आराधना की। शोभायात्रा के बाद पीजी कॉलेज के सामने स्थित श्याम मंदिर में श्याम बाबा का फूलों से अलौकिक श्रृंगार किया गया। इस मौके पर महाआरती का आयोजन भी किया गया। बाद में बाबा को 56 भोग, सवामणि भोग और अमृतमय महाप्रसाद अर्पित किया गया। खाटूवाले श्याम बाबा के महोत्सव ने श्रद्धालुओं के दिलों में भक्ति और श्रद्धा का अलौकिक अनुभव उत्पन्न किया और यह आयोजन अम्बिकापुर में एक अद्वितीय धार्मिक उत्सव के रूप में संपन्न हुआ।

दो पहिया वाहन चोरी के मामले में खरीदार सहित 5 आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,05 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

दो पहिया वाहन चोरी के मामले में गांधीनगर पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों ने 2 चोर व 3 खरीदार शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार राजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम अमड़ीपारा निवासी डिहल राम टेकाम की बाइक 1 अक्टूबर को अंबिकापुर विशाल मेगा मार्ट के बाहर से चोरी हो गई थी। वह मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाने में दर्ज कराई थी। गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम तुर्रापानी निवासी नीतु सिदार की स्कूटी 22 अक्टूबर को घर के आंगन से चोरी हो गई थी। वह भी मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाने में दर्ज कराई थी। दोनों मामले में पुलिस विवेचना कर रही थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने राहुल विश्वकर्मा को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो वह अपने साथी

दिलभदर यादव के साथ मिलकर विशाल मेगा मार्ट से बाइक, तुर्रापानी स्थित घर के आंगन से स्कूटी, सूरजपुर कलेक्टोरेट परिसर से बाइक सहित अन्य स्थानों से भी बाइक चोरी करना बताया। चोरी करने के बाद दो पहिया वाहनों को धमेन्द्र यादव उर्फ विक्कू, राजकुमार बड़ा एवं निरंजन मण्डल को बिक्री करना बताया। पुलिस ने दो पहिया वाहन चोरी के मामले में आरोपी राहुल विश्वकर्मा पिता शांतिलाल विश्वकर्मा उम्र 30 वर्ष निवासी मध्यप्रदेश हाल मुकाम मठपारा थाना मणीपुर, दिलभदर यादव पिता देवसाय यादव उम्र 40 साल निवासी सुंदरपुर थाना मणीपुर, धमेन्द्र यादव उर्फ विक्कू यादव पिता स्व0 लवराम यादव उम्र 24 साल निवासी सत्तीपारा थाना कोतवाली अंबिकापुर, राजकुमार बड़ा पिता दल्लु राम उम्र 35 साल निवासी गोपालपुर थाना राजपुर व निरंजन मंडल पिता महादेव मंडल उम्र 55 साल निवासी ग्राम डिगमा थाना गांधीनगर के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

न्यायालय के नए भवन निर्माण के लिए पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कलेक्टर को लिखा पत्र

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,05 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

मौजूदा न्यायालय परिसर में जिला न्यायालय के नवीन भवन निर्माण को लेकर पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने सरगुजा कलेक्टर को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने न्यायालय भवन के निर्माण और विस्तार के लिए वर्तमान स्थल को उपयुक्त बताया है। सिंहदेव ने कहा कि कलेक्टोरेट के

बगल स्थित वर्तमान न्यायालय भवन आदर्श स्थिति में है, क्योंकि यह स्थान प्रतीक्षा बस स्टैंड के पास होने से आने-जाने में कोई असुविधा नहीं होती है और यहां आवागमन के साधन भी सहज उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि सरगुजा जिले के विभिन्न क्षेत्रों से लोग न्यायालय और प्रशासनिक कार्यों के लिए इस स्थान का उपयोग करते हैं, जिससे यह स्थान अत्यधिक व्यावहारिक और सुविधाजनक है। इसके साथ ही, न्यायालय में प्रैक्टिस करने वाले अधिवक्ताओं और उनके संगठनों ने ग्राम चठिरमा में नए भवन के निर्माण के खिलाफ विरोध व्यक्त किया है। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने प्रशासन से अनुरोध किया कि व्यापक जनहित को ध्यान में रखते हुए मौजूदा स्थल पर ही नए न्यायालय भवन का निर्माण प्रारंभ किया जाए।

CMYK

क्या ऐसे तहसीलदारों के भरोसे मिलेगा न्याय?

क्या सोनहत के तहसीलदार का तबादला कमिश्नर की 'पसंद' का परिणाम?

- विवादों में घिरे तहसीलदार संजय राठौर की गुपचुप बहाली पर सवाल,क्या कलेक्टर व कमिश्नर दे रहे हैं संरक्षण?
- क्या सोनहत को मिलेगा दागी तहसीलदार? छत्तीसगढ़ के सुशासन पर उठे सवाल
- कोरिया कलेक्टर की कार्यशैली पर उठे सवाल
- रिश्वत,विवादित जमीन प्रकरण और विभागीय जांच के बीच बैकुंठपुर में तहसीलदार संजय राठौर की नई पदस्थापना चर्चा में...
- शिकायतों की जांच में रुचि नहीं,पर तहसीलदार को संरक्षण क्यों?

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर,05 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले के चर्चित व विवादित तहसीलदार संजय राठौर का नाम एक बार फिर सुर्खियों में है। रिश्वतखोरी, पक्षपातपूर्ण निर्णय और अपनी पत्नी के नाम जमीन दर्ज कराने जैसे गंभीर आरोपों से घिरे इस अधिकारी को विभागीय जांच पूरी हुए बिना ही कोरिया जिले में अतिरिक्त तहसीलदार (सोनहत तहसील कार्यालय) के रूप में पदस्थ किया जाना अब प्रदेशभर में चर्चा का विषय बन गया है,राजस्व विभाग में एक बार फिर सवालों का सिलसिला शुरू हो गया है, सूरजपुर जिले के भैयाथान तहसील के तत्कालीन तहसीलदार संजय राठौर जिन पर रिश्वतखोरी और विवादित जमीन प्रकरण में गंभीर आरोप लग चुके हैं,अब कोरिया जिले के बैकुंठपुर में अतिरिक्त तहसीलदार के रूप में पदस्थ किए गए थे, यह पदस्थापना न केवल प्रशासनिक गलियारों में बल्कि आम जनता के बीच भी चर्चा का विषय बनी हुई है,सवाल उठ रहे हैं कि 'क्या छत्तीसगढ़ में सुशासन का यही चेहरा है, जहाँ विभागीय जांच अधूरी रहते हुए भी विवादित अधिकारी को फिर से जिम्मेदारी दी जा रही है? 'भ्रष्टाचार और विवादों में घिरे तहसीलदार संजय राठौर को कोरिया जिले में पदस्थ किए जाने के बाद अब प्रशासनिक गलियारों में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है, जहाँ एक ओर सूरजपुर में उनके खिलाफ रिश्वतखोरी और जमीन घोटाले की जांचें अधूरी हैं, वहीं दूसरी ओर कोरिया कलेक्टर द्वारा उन्हें सोनहत तहसील कार्यालय का दायित्व सौंपे जाने पर कलेक्टर की नीयत और कार्यशैली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं, स्थानीय नागरिकों का कहना है कि 'जिस अधिकारी पर विभागीय जांच लंबित हो, जिसके खिलाफ जमीन हेराफेरी और रिश्वत के गंभीर आरोप हों,उसे क्या जमीन संबंधित न्याय देने की जिम्मेदारी सौंपी जानी चाहिए?' लोगों में यह भी चर्चा है कि जब प्रदेश में शासन की प्राथमिकता पारदर्शिता और सुशासन की है,तब ऐसे विवादित अधिकारी की पुनः तैनाती क्या इस नीति के विपरीत नहीं है? प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि कोरिया कलेक्टर की कार्यशैली को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं, पर इस बार मामला और गंभीर है, क्योंकि यह सीधे जनता के न्याय के अधिकार से जुड़ा हुआ है, अब यह देखना दिलचस्प होगा कि सरगुजा कमिश्नर और राजस्व विभाग इस विवादास्पद पदस्थापना को लेकर क्या रुख अपनाते हैं, क्या यह मामला एक बार फिर ठंडे बस्ते में जाएगा या फिर ईमानदार प्रशासन की मिसाल पेश की जाएगी? जब तक इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच नहीं होती और दोषी को दंड नहीं दिया जाता, तब तक यह सवाल जनता के मन में गूंजता रहेगा 'क्या छत्तीसगढ़ में अब भी ईमानदार अधिकारी हैं जो ऐसे आचरण वालों को प्रोत्साहित करने के बजाय दंडित करें?

क्या सोनहत के तहसीलदार का तबादला कमिश्नर की 'पसंद' का परिणाम?

सोनहत क्षेत्र में हाल ही में हुए प्रशासनिक फेरबदल ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं, चर्चा है कि तहसीलदार का तबादला केवल सामान्य प्रक्रिया नहीं, बल्कि 'कमिश्नर साहब की पसंद' का परिणाम हो सकता है प्रशासनिक हलकों में यह मुद्दा अब चर्चा का विषय बना हुआ है, क्योंकि सोनहत के तहसीलदार को सूरजपुर भेजा गया है जिससे सूरजपुर से निलंबति कर बलरामपुर भेजे गए जिन्हे चोरी चुपके कोरिया जिले लाया गया था बैकुंठपुर का अतिरिक्त तहिसलदार बनाया गया था को सोनहत का प्रभार दिया जा सके,भैयाथान में पदस्थ रहे और एक गंभीर शिकायत उपरांत निलंबित लिए गये तहसीलदार को मनचाही जगह भेजने के लिए सोनहत तहसीलदार को सूरजपुर भेजा गया जबकि सोनहत जिस निलंबति बाद मे बहाल तहसीलदार के लिए खाली कराया गया है उसकी भैयाथान मामले की जांच भी पूरी नही हुई है जबकि निलंबन गंभीर मामले मे किया गया था, स्थानीय लोगों का कहना है कि सोनहत के मौजूदा तहसीलदार के सूरजपुर के भैयाथान के कार्यकाल को लेकर लगातार शिकायतें की गईं,लेकिन उन शिकायतों पर किसी ठोस जांच की पहल नहीं की गई,इसके विपरीत,शिकायतों की उपेक्षा करते हुए संबंधित अधिकारी को संरक्षण दिया जा रहा है, इससे यह संदेह गहरा गया है कि कहीं पूरा तबादला तंत्र किसी विशेष अधिकारी को सोनहत जैसे संवेदनशील क्षेत्र में पदस्थ करने के उद्देश्य से तो नहीं किया गया, सूत्रों का कहना है कि कई शिकायतों की फाइलें लम्बे समय से लंबित हैं,लेकिन जांच की दिशा में कोई गंभीर कदम नहीं उठाया गया। वहीं दूसरी ओर, तबादले की फाइलें बेहद तेजी से निपटा दी गईं,इस रवैये ने प्रशासन की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है,जनता का कहना है कि यदि वास्तव में सुशासन और पारदर्शिता का दावा सही है? तो तहसील स्तर पर हुई शिकायतों की निष्पक्ष जांच कराना आवश्यक है,अधिकारी चाहे किसी भी स्तर का हो,जवाबदेही तय होना चाहिए,स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने मांग की है कि कमिश्नर कार्यालय से इस पूरे प्रकरण की जांच स्वतंत्र एजेंसी या वरिष्ठ अधिकारी के माध्यम से कराई जाए, ताकि लोगों का भरोसा प्रशासन पर कायम रह सके, वैसे एसआईआर के दौरान तबादलों पर रोक है उसके बाबजूद राजस्व विभाग की यह तबादला सूची निर्वाचन आयोग के निर्देशो की अवहेलना है खासकर तहसीलदार सोनहत को फिलहाल भारमुक्त किया जाना उचित नहीं?

नई शिकायत, रिश्वत का ऑडियो और 1 लाख की डील का आरोप

हाल ही में इंदरपुर निवासी सौरभ प्रताप सिंह नामक प्रार्थी ने कलेक्टर सूरजपुर को एक नई शिकायत दी है,जिसमें उन्होंने दावा किया है कि तहसीलदार राठौर ने उनके भूमि प्रकरण के निपटारे के लिए 2 लाख या आईफोन 16 प्रो मैक्स(1टीबी) की मांग की थी। बाद में 'डील' 1 लाख में तय हुई और जिसकी ऑडियो रिकॉर्डिंग भी सौंपी गई है, प्रार्थी ने कहा कि पैसे देने के बावजूद मामला लंबित रखा गया, और जब उन्होंने रिश्वत देने से इंकार किया, तो नए तहसीलदार द्वारा प्रकरण खारिज कर दिया गया।

प्रशासन मौन क्यों?

जनदर्शन में दर्ज शिकायतें,प्रमाणित दस्तावेज़ और ऑडियो प्रस्तुत किए जाने के बावजूद,अब तक कोई निर्णायक कार्यवाही नहीं हुई,कलेक्टर सूरजपुर ने इस मामले को 'अब अधिकारी हमारे जिले में पदस्थ नहीं हैं' कहते हुए सरगुजा संभाग कमिश्नर को जांच सौंप दी, इस बीच, सवाल यह भी है कि 'क्या विभागीय जांचों को ठंडे बस्ते में डालकर आरोपित अधिकारी को पुनः लाभ पहुँचाया जा रहा है?'

सार्वजनिक हित में जांच की माँग

कई सामाजिक संगठनों और स्थानीय बुद्धिजीवियों ने इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की माँग की है। उनका कहना है कि 'जब तक इस तरह के मामलों में पारदर्शी जांच नहीं होगी, तब तक आम नागरिकों का राजस्व विभाग पर भरोसा बहाल नहीं हो सकता।'

जमीन के बदले जमीन,तहसीलदार पर आरोप

सूरजपुर जिले के भैयाथान तहसील कार्यालय में पदस्थ रहने के दौरान तहसीलदार संजय राठौर पर आरोप है कि उन्होंने विवादित भूमि प्रकरण में एक पक्ष के पक्ष में फैसला सुनाकर, प्रतिफलस्वरूप अपनी पत्नी के नाम लगभग 30 डिसमिल भूमि प्राप्त की, आवेदकों का दावा है कि यह जमीन खसरा नंबर 19/1 ग्राम कोयलारी में स्थित है और इसका बाजार मूल्य प्रति डिसमिल एक लाख रुपये से अधिक है, जबकि पंजीयन केवल ?1,89,500 में दर्ज कराया गया, इस प्रकरण को लेकर कई आवेदकों –महेंद्र दुबे,सतीश दुबे,रविशंकर दुबे,राजेश दुबे सहित अन्य ने कलेक्टर जनदर्शन में शिकायत दर्ज कराई, उन्होंने आरोप लगाया कि यह फैसला माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर में विचाराधीन प्रकरण के दौरान दिया गया, जो सीधे न्यायालय की अवमानना की श्रेणी में आता है।

शिकायतों और विभागीय जांच का जाल

इस प्रकरण में सूरजपुर कलेक्टर द्वारा जांच प्रतिवेदन के साथ तहसीलदार को दोषी माना गया था और सरगुजा संभाग आयुक्त को अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए अनुशंसा भेजी गई थी, हालांकि, विभागीय जांच अब तक पूरी नहीं हो पाई है, और राठौर को बीच में ही कोरिया जिले में पदस्थ कर दिया गया, जिससे उनके प्रभाव और 'ऊँची पकड़' की चर्चाएँ तेज हैं।राठौर कोरिया आते ही तहसील ढूंढ रहे थे जो भी उन्हें मिल गया और उनके लिए सोनहत तहसील खाली कर दिया गया जो उनके प्रभाव को दर्शाता है।

ढाई साल पुराना विवाद अब भी अधूरा

सूरजपुर जिले के भैयाथान तहसील में पदस्थ रहते हुए संजय राठौर पर जमीन विवाद का फैसला अपने हित में देने और लाभ स्वरूप अपनी पत्नी के नाम 30 डिसमिल जमीन कराने का आरोप लगा था, इस मामले में तत्कालीन कलेक्टर सूरजपुर ने जांच प्रतिवेदन के साथ इन्हें दोषी पाया और सरगुजा संभागायुक्त को विभागीय कार्रवाई की अनुशंसा की थी। लेकिन,जांच आज तक अधूरी पड़ी है,और अधिकारी अब दूसरे जिले में पदस्थ होकर अपनी पकड़ और मजबूत करते नजर आ रहे हैं।

कोरिया में गुपचुप पदस्थापना ने बढ़ाई शंकाएँ

प्रशासनिक फेरबदल के दौरान संजय राठौर का नाम सूची में चौंकाने वाला था। बिना जांच पूर्ण किए,अचानक उनकी कोरिया में तैनाती ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं, स्थानीय सूत्रों का कहना है कि 'यह पदस्थापना गुपचुप तरीके से हुई है, और इसकी जानकारी कई अधिकारियों को बाद में लगी।' लोगों का आरोप है कि प्रभावशाली लॉबी और कुछ कनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के समर्थन के चलते इन्हें संरक्षण मिल रहा है।

क्या कलेक्टर दे रही हैं संरक्षण?

वहीं अब सवाल यह उठ रहा है कि जब सूरजपुर कलेक्टर ने जांच प्रतिवेदन में इन्हें दोषी पाया था,तब कोरिया कलेक्टर ने इन्हें कैसे और क्यों जिम्मेदारी दी? प्रशासनिक गलियारों में चर्चा है कि कलेक्टर की 'कार्यशैली' पर सवाल उठने लगे है, क्योंकि जिस अधिकारी पर विभागीय जांचें लंबित हों,उसे न्यायिक व राजस्व संबंधी जिम्मेदारी देना सुशासन की भावना के विपरीत है।

न्याय और निष्पक्षता पर जनता के सवाल

स्थानीय नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने प्रशासन से मांग की है कि इस पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच की जाए और संजय राठौर सहित संबंधित अधिकारियों पर आपराधिक प्रकरण दर्ज किया जाए। लोगों का कहना है कि 'जिस अधिकारी पर रिश्वत, जमीन घोटाला और न्यायिक अनियमितता के आरोप हों, उसे जिम्मेदारी देना जनता के साथ धोखा है।'

क्या सुशासन केवल नारे तक सीमित है?

अब बड़ा सवाल यह है कि क्या ऐसे तहसीलदारों के भरोसे जनता को न्याय मिलेगा? क्या प्रशासन में अब ऐसे अधिकारी ही पुरस्कृत होंगे जिन पर भ्रष्टाचार के दाग हैं? क्या संभागायुक्त और कलेक्टर निष्पक्ष जांच करेंगे या फिर यह मामला भी 'ठंडे बस्ते' में चला जाएगा?

दैनिक घटती-घटना का संपादकीय नोट...

यह रिपोर्ट आवेदकों के दस्तावेज, जनदर्शन आवेदन और स्थानीय प्रशासनिक स्रोतों पर आधारित है, दैनिक घटती-घटना का उद्देश्य किसी व्यक्ति की छवि धूमिल करना नहीं,बल्कि सार्वजनिक हित में पारदर्शिता की माँग उठाना है, यदि संबंधित अधिकारी या विभाग अपनी प्रतिक्रिया देना चाहें, तो उसका प्रकाशन समान स्थान और महत्व के साथ किया जाएगा।

बिलासपुर हादसे के बाद अब कोरिया में दर्दनाक दुर्घटना

नदी में गिरी सवारियों से भरी ऑटो,2 महिलाओं की मौत,14 घायल

-संवाददाता-

कोरिया,05 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। बिलासपुर के लालखदान रेल हादसे के दर्द को लोग अभी भूले भी नहीं थे कि एक और बड़ी दुर्घटना ने प्रदेश को झकझोर कर रख दिया। ताजा मामला कोरिया जिले के बैकुंठपुर जनपद का है, जहां सोमवार की देर रात सवारियों से भरी एक ऑटो अनियंत्रित होकर नदी में जा गिरी। इस दर्दनाक हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि 14 महिलाएं घायल बताई जा रही हैं। सभी घायलों को बैकुंठपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें कई की हालत गंभीर बनी हुई है।

ऊंचाई से नदी में गिरी ऑटो : मिली जानकारी के अनुसार, झरनापारा के पंडोपारा से लौट रही महिलाएं सोमवार रात करीब 10 बजे ऑटो में सवार होकर अपने गांव लौट रही थीं। इसी दौरान छिंदिया के आश्रित ग्राम नकटापारा के पास पहुंचते ही ऑटो अनियंत्रित हो गई और काफी ऊंचाई से नीचे नदी में जा गिरी। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर ही चीख-पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीण दौड़कर मौके पर पहुंचे और महिलाओं को किसी तरह बाहर निकाला।

एक महिला की मौके पर मौत, दूसरी ने रास्ते में तोड़ा दम : प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ऑटो में कुल 16 महिलाएं सवार थीं। हादसे के बाद एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं गंभीर रूप से घायल एक अन्य महिला को अंबिकापुर रेफर किया गया, लेकिन उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। बाकी घायलों को तत्काल बैकुंठपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया,जहां उनका इलाज जारी है। चिकित्सकों के अनुसार कुछ घायलों की हालत चिंताजनक है।

क्षमता से अधिक सवारियां बनीं हादसे की वजह

स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, ऑटो में उसकी निर्धारित क्षमता से कहीं ज्यादा महिलाएं बैठी हुई थीं। ऑटो चालक ने भीड़भाड़ के बावजूद वाहन को तेज रफ्तार में चलाया, जिससे वह नकटापारा के मोड़ पर नियंत्रण खो बैठा और वाहन नदी में जा गिरा। ग्रामीणों का कहना है कि अगर चालक सावधानी बरतता,तो यह दर्दनाक हादसा टल सकता था।

राहत और बचाव कार्य में जुटे ग्रामीण और पुलिस

घटना के तुरंत बाद ग्रामीणों ने बचाव कार्य शुरू किया और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची बैकुंठपुर पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। प्रशासन की ओर से राहत कार्य जारी है। हादसे की जांच की जा रही है।

अंतिम संस्कार के तीन दिन बाद जिंदा लौटा युवक...परिजन भी रह गए दंग

-संवाददाता-

सूरजपुर,05 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जिस युवक का परिवार ने तीन दिन पहले अंतिम संस्कार कर दिया था। वह अचानक जिंदा लौट आया। इसके बाद परिवार की आंखे फटी की फटी रह गई। सूरजपुर से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है,यहां जिस युवक का परिवार ने तीन दिन पहले अंतिम संस्कार कर दिया था। वह अचानक जिंदा लौट आया। इसके बाद परिवार की आंखे फटी की फटी रह गई।

क्षेत्र में बना चर्चा का विषय : दरअसल,यह पूरा मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। यहां एक परिवार ने जिस युवक का अंतिम संस्कार कर दिया था वह तीन दिन बाद अचानक जिंदा लौट आया। युवक को जिंदा देखकर परिवार सक्ते में आ गया और उन्हें अपनी आखों पर भरोसा ही नहीं हुआ। यह घटना पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है।

कुएं में मिले शव का कर दिया अंतिम संस्कार : बताया जा रहा है कि चंद्रपुर का रहने वाला परषोत्तम दो तीन दिनों से लापता था। परिजनों ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट थाने में भी दर्ज कराई थी। पुलिस की टीम जब उसकी तलाश में जुटी थी,तभी 1 नवंबर को देवपुरी-मानपुर सीमा पर स्थित कुएं में एक युवक का शव मिला था। इसके बाद पुलिस ने इसकी जानकारी परषोत्तम के घर वालों को दी थी। कपड़े और हुलिए के आधार पर उसकी पहचान परषोत्तम के रुप में की थी, जिसका उन्होंने अंतिम संस्कार कर दिया था।

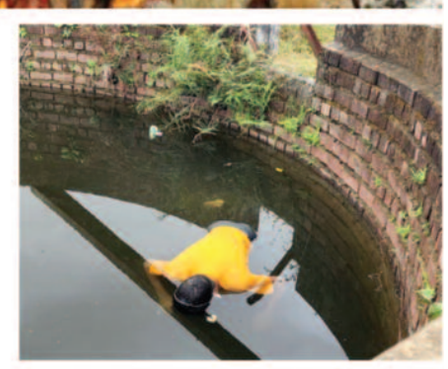

पुलिस के सामने खड़ी हुई नई चुनौती : लेकिन अंतिम संस्कार के तीन दिन बाद 4 नवंबर को परषोत्तम जिंदा घर लौट आया। परषोत्तम को जिंदा देखकर तो पहले उन्हें विश्वास ही नहीं हुआ, फिर उसे गले लगा लिया। परषोत्तम ने बताया कि वह अंबिकापुर में अपने रिश्तेदार के यहां रुका था। लेकिन अब पुलिस के सामने एक नई चुनौती आ खड़ी हुई है कि जिसका अंतिम संस्कार किया गया वह आखिर कौन था। फिलहाल पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरु कर दी है।

गुरु नानक देव जी के 556 वें प्रकाश पर्व पर अंबिकापुर में उमड़ी श्रद्धा की बयार

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,05 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

गुरु नानक देव जी के 556 वें प्रकाश पर्व के पावन उपलक्ष्य में बुधवार को गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, अंबिकापुर में श्रद्धा और भक्ति का अनुपम संगम देखने को मिला। सुबह से ही संगतजन गुरुद्वारा साहिब पहुंचने लगे और पूरा परिसर 'जो बोले सो निहाल सत श्री अकाल! के जयघोष से गूंज उठा। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 11 से 12 बजे तक ज्ञानी छतर सिंह जी एवं जथेदार साथियों द्वारा रसपूर्ण शब्द कीर्तन से हुई, जिसमें उन्होंने गुरु नानक देव जी के उपदेशों का संदेश देते हुए उपस्थित संगत को निहाल किया। इसके पश्चात महिलाओं एवं बच्चों द्वारा 12 से 1.30 बजे तक विशेष शब्द-कीर्तन प्रस्तुत किया गया, जिसने वातावरण को और भी पवित्र और प्रेरणादायी बना दिया। इसके बाद शहर के गणमान्य व्यक्तियों ने मंच से गुरु नानक देव जी के जीवन, उपदेशों और देशभक्ति की भावना पर सरदार जतिंदर सिंह सोढ़ी डॉक्टर हर्षप्रीत सिंह टुटेजा सरदार महेंद्र सिंह टुटेजा श्री अजय मिश्रा श्री चंद्र भूषण मिश्र ने अपने विचार रखे। तथा सांसद चिंतामणि महाराज, पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव, कलेक्टर विलास भोसकर एसपी राजेश अग्रवाल,एडिशनल एसपी अमोलक सिंघ ढिल्लो,महापौर मंजूषा भगत, सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी ने समस्त नगर वासियों को गुरुपूर्व की शुभकामनाएं दीं।

CMYK

हटाए जान का हिम्मत किसा आधकारा न आज तक नहा दखाइ

लिपिक बन गया है धन्ना सेठ,अपने ही घर चोरी की घटना की प्राथमिकी भी नहीं कराई दर्ज,आय से अधिक संपत्ति का खुलासा होने का था डर

जिला खनिज न्यास शाखा का लिपिक वर्षों से एक ही जगह है जमा हुआ

हटाने की हिम्मत किसी अधिकारी में नहीं ?

करोड़ों की संपत्ति का मालिक,चोरी की एफआईआर भी नहीं कराई थी दर्ज,जांच हुई तो खुल सकता है बड़ा राज

धन्ना सेठ बन चुका लिपिक?

आय से अधिक संपत्ति का बड़ा मामला हो सकता है उजागर

-रवि सिंह-

कोरिया,05 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

कोरिया जिला मुख्यालय में पदस्थ जिला खनिज न्यास शाखा का एक लिपिक टेकचंद साहू चर्चाओं के केंद्र में है। सूत्रों के अनुसार,वर्षों से एक ही पद पर जमे इस लिपिक ने अब तक करोड़ों की संपत्ति अर्जित कर ली है। हैरानी की बात यह है कि कोई भी अधिकारी इसे हटाने या स्थानांतरित करने का साहस नहीं जुटा पाया है। लिपिक सभी का चहेता बनने का हुनर रखता है और वह सभी को प्रभाव में लेने की कला जानता है ऐसा बताया जाता है।

घर में चोरी, पर पुलिस प्राथमिकी दर्ज नहीं...!

कुछ माह पहले लिपिक के आवास में चोरी की एक घटना हुई थी,सूत्रों के मुताबिक, चोरी के बाद भी टेकचंद साहू ने पुलिस में कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं कराई, सूत्र बताते हैं कि चोरी में लाखों रुपए नकद और कीमती सामान चोरी हुए, परंतु पुलिस प्राथमिकी दर्ज करने से अवैध संपत्ति का खुलासा हो जाने के डर से उसने चुप्पी साध ली।

लिपिक होकर भी आलीशान जीवनशैली सहकर्मियों में चर्चा

जिला कार्यालय के कई कर्मचारियों का कहना है कि टेकचंद साहू और कुछ अन्य लिपिकों का रहन-सहन उच्च वर्गीय लोगों जैसा है, सिर्फ वेतन से इतनी संपत्ति और वैभव संभव नहीं। जिले के प्रशासनिक अधिकारियों का संरक्षण भी शायद इन्हें मिलता रहा है, – एक वरिष्ठ कर्मचारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि लिपिक का ऐशो आराम और उसकी जीवनशैली किसी बड़े व्यक्ति से कम नहीं,ऐसा ऐशो आराम ईमानदारी से मिलने वाले वेतन से संभव नहीं है,यह अन्य आय से मिल पाने वाला वैभव है।

विशेष टिप्पणी...

यह रिपोर्ट प्राप्त सूत्रों और दस्तावेज़ीय संकेतों पर आधारित है, 'दैनिक घटती-घटना' इस खबर के प्रत्येक बिंदु की स्वतंत्र पुष्टि नहीं करता,यदि प्रशासन इस पर जांच आरंभ करता है तो वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

सूत्रों का दावा,खनिज न्यास की पूरी राशि पर नियंत्रण

जिला खनिज न्यास शाखा से मिलने वाली राशि की प्रक्रिया पर इस लिपिक का मजबूत नियंत्रण बताया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, फाइलों से लेकर राशि के उपयोग तक सबकुछ इसी के माध्यम से गुजरता है,सूत्रों का यह भी कहना है कि इस लिपिक ने वर्षों में जो संपत्ति जुटाई है, वह उसके वेतन के अनुपात में कहीं अधिक है। इसके बावजूद विभागीय स्तर पर न तो जांच की गई और न ही जिम्मेदारी बदली गई।

2014 की भर्ती परीक्षा से भी जुड़ा नाम

जिला संयुक्त भर्ती परीक्षा 2014 में भी टेकचंद साहू का नाम सामने आया था। बताया जाता है कि उस भर्ती में कई अनियमितताएं हुईं, जिनका मामला अब भी न्यायालय में लंबित है, उस समय यह लिपिक परीक्षा संचालन में सक्रिय भूमिका में था, इसने अपने ही पारिवारिक सदस्यों को भर्ती दिलाने का प्रयास किया था जैसा सूत्रों का कहना है।

पाठक क्या सोचते हैं?

क्या जिला खनिज न्यास शाखा की पूरी व्यवस्था की जांच आवश्यक है? अपनी राय हमारे संपादक को भेजें सकते है।

जांच हुई तो आय से अधिक संपत्ति का मामला उजागर हो सकता है...

सूत्रों का कहना है कि यदि इस लिपिक की संपत्ति की निष्पक्ष जांच कराई जाए, तो आय से अधिक संपत्ति का बड़ा मामला सामने आ सकता है, कई स्थानीय लोगों ने मांग की है कि राज्य सरकार और जिला प्रशासन को इसकी जांच लोकायुक्त या आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा से करानी चाहिए ताकि सच सामने आ सके।

अधिकारियों की चुप्पी पर भी सवाल

वर्षों से एक ही जगह पदस्थ इस लिपिक का तबादला न होना, उसकी जिम्मेदारी में बदलाव न होना, और लगातार संरक्षण मिलना, प्रशासनिक तंत्र की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करता है, क्या यह इसलिए है कि यह लिपिक अधिकारियों के लिए **सुविधाजनक** साबित हो रहा है? यह सवाल अब जिले में खुलकर चर्चा का विषय बन चुका है।

हसदेव नदी में कार्तिक स्नान के दौरान12 वर्षीय छात्र की डूबकर हुई मौत

-संवाददाता-

कोरबा,05 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

कोरबा अंचल के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत पुरानी बस्ती स्थित करण घाट में 5 नवंबर की सुबह एक दुःखद घटना घटी। 12 वर्षीय निखिल जायसवाल अपने दो मित्रो संग हसदेव नदी में कार्तिक स्नान कर रहा था, तभी वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया। जानकारी के अनुसार निखिल और उसके मित्र हसदेव नदी में चुंबक की मदद से पैसे खोजने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान निखिल गहरे पानी में चला गया। उसे तैरना नहीं आता था। घटना के समय उसके साथ मौजूद दोनों मित्र घबरा कर मौके से भाग गए और घर जाकर परिजनों को सूचना दी।भीड़ और पुलिस के पहुंचने से पहले ही स्थानीय लोगों ने निखिल का शव नदी से बाहर निकाल लिया। कोतवाली थाना पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला मेडिकल कॉलेज भेजा और परिजनों के बयान दर्ज किए। बताया जा रहा हैं की मृतक निखिल कक्षा 6वीं का छात्र था। उसके पिता एक निजी कंपनी में ठेका कर्मी हैं। कोरबा सीएसपी भूषण एक्का ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

करतला रेंज अंतर्गत बड़मार एवं पीडिया क्षेत्र में हाथियों ने मचाया उत्पात

-संवाददाता-

कोरबा,05 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

वन मंडल कोरबा के करतला रेंज अंतर्गत बड़मार एवं पीडिया क्षेत्र में सक्रिय हाथियों के दल ने एक साथ मिलकर पुनः ग्राम पीडिया में जमकर उत्पात मचाया, इस दौरान हाथियों ने एक ग्रामीण के खेत में लगे बोर के पाईप व पेनलबोर्ड को छतिग्रस्त कर दिया तथा ग्राम पीडिया, सेंद्रीपाली, श्रीमार तथा तीलईडबरा में 15 से अधिक किसानों के धान फसल को रौंद कर मटियामेट कर दिया। हाथियों का उत्पात रात भर चला और सुबह होने से पहले पीडिया जंगल में पहुंचकर डेरा डाल दिया। हाथियों के उत्पात से ग्रामीण हलाकान रहे। पीड़ित किसानों द्वारा सूचना दिए जाने पर वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौके पर पहुंचे और हाथियों द्वारा किए गए नुकसानी का आकलन करने के साथ रिपोर्ट तैयार की। पीडिया क्षेत्र में हाथियों का दल ऐसे समय में पहुंचा है। जब खेतो में ग्रामीणों द्वारा लगाए गए धान की फसल पक कर तैयार है और ग्रामीण उसे काट कर अपने खलिहानों में ले जाने की तैयारी कर रहे है। ऐसे में हाथियों द्वारा उत्पात मचा कर उनकी मेहनतों व अरमानों पर पानी फेर दे रहे है। ग्रामीणों में गहन आक्रोश व्याप्त है। उधर कटघोरा वन मंडल में भी हाथियों का उत्पात अनवरत जारी है। यहां के जंगलों में 42 की संख्या में हाथी ग्राम आमाटिकरा व परला के आसपास विचरण कर रहे है। तथा लगातार फसलों को नुकसान पहुंचाने के साथ उसे तहस-नहस कर मेहनत पर पानी फेर रहे है।

लंबे इंतजार के बाद ठाकुरहत्थी गांव में पहुँची बिजली, लेकिन एक माह में जल गया

20 दिन से गांव फिर अंधेरे में, विभाग की सुस्त सेवा से ग्रामीणों में नाराजगी

-संवाददाता-

सोनहत, 05 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

कई वर्षों के इंतजार के बाद आखिरकार ठाकुरहत्थी ग्राम में बिजली पहुँची थी, लेकिन ग्रामीणों की यह खुशी ज्यादा दिन टिक नहीं सकी। बिजली पहुँचने के मात्र एक महीने बाद ही नया लगाया गया ट्रांसफार्मर जल गया। अब बीस दिन से पूरा गांव फिर से अंधेरे में डूबा हुआ है, ग्रामीणों का कहना है कि बिजली आने से जीवन में काफी सुविधा मिली थी, पंखे, बल्ब, मोबाइल चार्जिंग जैसी बुनियादी जरूरतें पूरी हो रही थीं, मगर पिछले दिनों हुई तेज बारिश और चमक-गरज के दौरान ट्रांसफार्मर जल गया, जिससे गांव में फिर से बिजली गुल हो गई।

20 दिन बाद भी नहीं बदला ट्रांसफार्मर-

ग्रामीणों ने बताया कि ट्रांसफार्मर जले लगभग 20 दिन हो चुके हैं, लेकिन अब तक नया ट्रांसफार्मर नहीं लगाया गया है, विद्युत विभाग की सुस्त कार्यप्रणाली से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है, गांव में किसी भी अधिकारी या जनप्रतिनिधि ने अब तक स्थिति की सुध नहीं ली है।

पूर्व जनपद उपाध्यक्ष गुलाब चौधरी का नाराजगी भरा बयान-

पूर्व जनपद उपाध्यक्ष गुलाब चौधरी ने कहा कि आजादी के बाद पहली बार ठाकुरहत्थी में बिजली पहुँची थी, लेकिन अब ट्रांसफार्मर जल जाने से लोग फिर से अंधेरे में हैं। यह बेहद खेदजनक स्थिति है। प्रशासन को तुरंत नया ट्रांसफार्मर लगाना चाहिए।

कांग्रेस नेताओं ने कहा – 'तुरंत समाधान कराया जाएगा'

कांग्रेस नेता अनित दुबे और प्रकाश चंद्र साहू ने भी इस पर नाराजगी जताई, उन्होंने कहा कि ÷ठाकुरहत्थी एक दूरस्थ वानांचल क्षेत्र है, यहां बिजली पहुँचना किसी वरदान से कम नहीं था, ट्रांसफार्मर खराब होने की जानकारी मिलते ही विभाग से चर्चा की गई है, शीघ्र ही नया ट्रांसफार्मर लगवाकर समस्या का समाधान कराया जाएगा।

ग्रामीण बोले – फिर लौट आया अंधियारा-

ग्रामीणों का कहना है कि अब वे फिर से पुराने दिनों की तरह अंधेरे में जीवन गुजार रहे हैं। बच्चे रात में पढ़ाई नहीं कर पा रहे, खेत-खलिहानों में काम करने में दिक्कत हो रही है और बिजली उपकरण ठप पड़े हैं ग्रामीणों की मांग है कि जल्द से जल्द नया ट्रांसफार्मर लगाकर बिजली आपूर्ति बहाल की जाए, ताकि विकास का उजाला गांव में फिर से लौट सके।

काऊकेचर वाहन से कटआउट भेजे गए प्रकरण मे तीन अधिकारियों पर गिरी गाज

-संवाददाता-

कोरबा,05 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

कोरबा निगमआयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने त्वरित एक्शन लेते हुए काऊकेचर में सम्माननीय जनप्रतिनिधियों के कटआउट का परिवहन कर जनप्रतिनिधियों की गरिमा को ठेस पहुंचाने व कार्य के प्रति घोर लापरवाही करने वाले निगम के 02 उप अभियंताओं अश्वनी दास व अभय मिंज तथा स्वच्छता निरीक्षक सचीन्द्र थवाईत को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। आयुक्त श्री पाण्डेय ने यह कार्यवाही कर निगम के अन्य अधिकारी कर्मचारियों को भी कड़ा संदेश दिया है कि माननीय जनप्रतिनिधियों की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाले किसी भी कृत्य को क्षमा नहीं किया जाएगा तथा इस पर कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित होगी। यहाँ उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर घंटाघर स्थित डॉ.भीमराव अंबेडकर ओपन थियेटर स्थित मैदान में 02 से 04 नवम्बर तक आयोजित हुए राज्योत्सव हेतु कार्यक्रम स्थल पर प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उप मुख्यमंत्री अरूण साव, उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन व महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के कटआउट लगाए जाने थे। निगम के केन्द्रीय भण्डारगृह से इन कटआउटों को कार्यक्रम स्थल तक पहुंचाने हेतु काऊकेचर वाहन का उपयोग संबंधित अधिकारियों द्वारा किया गया। उक्त विषय की जानकारी निगम आयुक्त को होने पर प्रकरण को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए जांच उपरांत की कार्यवाही।

न्यायालय नायब तहसीलदार देवनगर, जिला-सूरजपुर(छ0ग0)

रा.प्र.क्र. अ-6/ 2025-26

ईश्तहार

सर्व साधारण आम जनता निवासी ग्राम परसापारा तहसील रामानुजनगर जिला सूरजपुर (छ.ग.) को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक धर्मेन्द्र आ. स्व. सुन्दर जाति पनिका निवासी ग्राम परसापारा तहसील रामानुजनगर द्वारा ग्राम परसापारा प.ह.नं. 07 तहसील रामानुजनगर स्थित भूमि खसरा न. 85/1, 87/ 2 रकबा क्रमशः 0.15, 0.04 हे भूमि आवेदक व अनावेदक के नाम पर सामिल खाता में दर्ज है, खाता विभाजन नही होने के कारण आवेदक व अनावेदिका मंगली बेवा सुन्दर के मध्य 1/2 हिस्सा में खाता विभाजन किये जाने हेतु आवेदन अन्तर्गत धारा 178 छ.ग. भू.रा.स. 1959 पेश किया गया है।

अतः उक्त दर्शित भूमि को 1/2 हिस्सा में खाता विभाजन किये जाने पर जिस किसी व्यक्ति/ संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 07.11.2025 के पूर्व दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 28.10.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पद मुद्रा से जारी।

सील — नायब तहसीलदार देवनगर, जिला-सूरजपुर

न्यायालयअनुविभागीय अधिकारी (रा0) जिला-उदयपुर (छ0ग0)

रा0प्र0क0 / 202510021900037 अ-02/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका संजीता कुजूर पति दीपक तिर्की निवासी ग्राम उदयपुर पतरापारा तहसील उदयपुर, जिला सरगुजा द्वारा अपने स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि ग्राम झिरमिटी तहसील उदयपुर स्थित ख0नं0 385/9 रकबा 0.060 हे0 को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन कराने बावत छ0ग0 भू-राजस्व संहिता की धारा 172 (2) के तहत आवेदन पत्र मय बी-1 खसरा, सेटलमेंट की प्रतिलिपि, पंजीबद्ध विक्रय पत्र की प्रति, नजरी नक्शा एवं ग्राम पंचायत का प्रस्ताव सहित प्रस्तुत की गई है। अतः उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो ईश्तेहार प्रकाशन के पन्द्रह दिवस के भीतर इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर लिखित रूप से दावा आपति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।

आज दिनाक 3-11-2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा0) उदयपुर सरगुजा

न्यायालय अतरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2, जिला-सरगुजा, (छ0ग0)

रा0प्र0क0 / अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुखन पैकरा आ. तेजल व अन्य, निवासी ग्राम रजपुरीखुर्द, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा ग्राम रजपुरीखुर्द स्थित भूमि खसरा नंबर 185/1,192/1,241/2,243/2, 244/2,386/4,387/20, 387/34,444/27,463/5,464, 632/35,653/22 कुल खसर नंबर 14 कुल रकबा 1.6020 हे0 भूमि पर वर्तमान मृत खातेदार स्व. तेजल पिता रमगढ़िया का नाम विलोपित कराने तथा वर्तमान राजस्व अभिलेखों में दर्ज शासकीय पटटेदार को विलोपित कराकर भूमि स्वामी दर्ज कराने बावत् आवेदन पत्र माननीय न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0) अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। जो जांच व प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 19/11/2025 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है । समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक-17/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर,सरगुजा

न्यायालय तहसीलदार लटोरी, जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा.प्र.क्र. ब-121/ ग्राम- लटोरी, प.ह.न.

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शिवनन्दन सिंह आ0 मनबोध जाति गोंड निवासी ग्राम लटोरी प.ह.न. .....रा.नि.म. ..... तहसील लटोरी जिला सूरजपुर छ0ग0 द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के बडे पापा मनबोध का मृत्यु दिनांक 30.05.2010 को ग्राम लटोरी में हूई है, अज्ञानतावश मृत्यु पंजीयन हेतू ग्राम पंचायत लटोरी को आदेशित करने आवेदन पेश किया गया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 20/11/15 तक अपना आपत्ति इस न्यायायल में पेश कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 31/10 /2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

सील — कार्यपालिक दण्डाधिकारी लटोरी जिला-सूरजपुर

CMYK

घटती-घटना विशेष रिपोर्ट

राज्योत्सवः जनता का पर्व या सत्ता का आयोजन?

सरकारी खजाने से करोड़ों खर्च, फिर भी वसूली क्यों? खाली कुर्सियों ने उत्सव की चमक फीकी की

कोरिया की जनता करती रह गई इंतज़ार,राज्योत्सव में नहीं पहुंचे पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल

रजत जयंती वर्ष के आयोजन में प्रशासन की तैयारी धरी की धरी रह गई...

-रवि सिंह-
रायपुर/कोरिया/एमसीबी,05 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना को 25 वर्ष पूरे हो चुके हैं। रजत जयंती वर्ष के अवसर पर इस बार राज्य स्थापना दिवस को अभूतपूर्व पैमाने पर मनाया गया। राजधानी रायपुर से लेकर हर जिले में पांच दिवसीय राज्योत्सव के तहत आयोजन हुए, मंच सजे, झांकियाँ निकलीं, कलाकार बुलाए गए और सरकारी विभागों ने अपनी उपलब्धियों की झलकियां पेश कीं, लेकिन अब सवाल उठ रहा है, क्या यह उत्सव वास्तव में जनता का था या फिर सत्ताधारी वर्ग और प्रशासन के लिए एक दिखावा मात्र बन गया?

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित रजत जयंती वर्ष का जिला स्तरीय उत्सव इस बार फीका पड़ गया,जिले में तीन दिवसीय कार्यक्रम की तैयारियां पूरी भव्यता से की गई थीं, परंतु पर्यटन मंत्री एवं मुख्य अतिथि राजेश अग्रवाल के नहीं पहुंचने से कार्यक्रम की चमक फीकी पड़ गई, मंत्री अग्रवाल के नाम की घोषणा मुख्य अतिथि के रूप में की गई थी, जिसके चलते जिले की जनता उनका इंतज़ार करती रही, न तो वे उद्घाटन समारोह में पहुंचे और न ही समापन कार्यक्रम में, इसके विपरीत पड़ोसी जिले मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) में आयोजित समापन कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और पूर्व केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह उपस्थित रहीं, जिससे वहां के आयोजन की गरिमा बनी रही।

प्रशासन की तैयारियां रहीं अधूरी

कोरिया जिला प्रशासन,कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के नेतृत्व में राज्योत्सव की तैयारियों में जुटा था। सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रदर्शनी स्टॉल और शासन की योजनाओं की जानकारी के साथ आम नागरिकों और जनप्रतिनिधियों की सहभागिता भी रही,लेकिन मुख्य अतिथि के नहीं आने से कार्यक्रम की अपेक्षित चमक नज़र नहीं आई, नागरिकों का कहना था कि ÷यदि मंत्री को आना नहीं था तो अतिथि सूची से नाम हटवा लिया जाना चाहिए था।÷

चर्चा में रहा मंत्री का नहीं आना

सूत्रों के अनुसार,पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल बिहार चुनाव में व्यस्त हैं। हालांकि, राज्योत्सव से एक दिन पूर्व वे रायपुर के एक कार्यक्रम में उपस्थित थे, इससे नागरिकों में यह सवाल उठ रहा है कि यदि मंत्री की ड्यूटी बिहार चुनाव में लगी थी,तो क्या प्रशासन या विभाग को पहले से मुख्य अतिथि का नाम बदल नहीं देना चाहिए था? स्थानीय जनप्रतिनिधि, जिला पंचायत अध्यक्ष, नगर पंचायत प्रमुख, और विधायक, ने कार्यक्रम में शामिल होकर आयोजन की गरिमा बनाए रखी, लेकिन मंत्री की अनुपस्थिति पूरे आयोजन की चर्चा का विषय बनी रही।

प्रदेश में बाकी जिलों में दिखी रौनक

प्रदेश भर में राज्य स्थापना दिवस का रजत जयंती वर्ष उल्लासपूर्वक मनाया गया। हर जिले में मंत्रीगण और विशेष अतिथि उद्घाटन या समापन समारोह में शामिल हुए, परंतु कोरिया जिला ऐसा एकमात्र जिला रहा जहां मुख्य अतिथि के नहीं आने से उत्सव अधूरा रह गया।

सरकारी खर्च फिर भी वसूली, क्यों?

राज्योत्सव पूरी तरह सरकारी आयोजन है,इसके बावजूद कई स्थानों से शिकायतें आईं कि विभागों और कर्मचारियों से अतिरिक्त वसूली की गई, कुछ अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि सांस्कृतिक मंच,सजावट और झांकियों के नाम पर अनावश्यक राशि एकत्र की गई, जनता और मीडिया के बीच यह सवाल गूंजता रहा जब आयोजन सरकारी फंड से होता है, तो फिर अधिकारियों और कर्मचारियों से धन क्यों माँगा गया?÷ प्रत्येक विभाग से अलग अलग राशि मांगी गई और उस राशि का उपयोग कहां किया गया इसका पता नहीं चल सका क्योंकि आयोजन के लिए तो राज्य सरकार से राशि प्राप्त हुई थी,

भव्य मंच,भारी खर्च...पर जनता कहाँ थी?

सरकारी आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष राज्योत्सव आयोजन पर करोड़ों रुपये खर्च हुए। बावजूद इसके कई जिलों में कार्यक्रम स्थलों पर खाली कुर्सियाँ नजर आईं, जहाँ लोकनृत्य और पारंपरिक प्रदर्शन देखने की उम्मीद थी, वहाँ राजनीतिक भाषण और औपचारिक उपस्थिति प्रमुख रही। कई जिलों में मुख्य अतिथि निर्धारित समय पर पहुँचे ही नहीं, जिससे कार्यक्रम का जोश फीका पड़ गया।कई जगह मुख्य अतिथि पहुंचने से भी परहेज किए,कुल मिलाकर आयोजन केवल औपचारिकता पूर्ण करने वाली नजर आई और जिसमें वसूली मुख्य उद्देश्य रहा और अंत में पीठ अपनी खुद थपथपाकर अधिकारियों ने इसे सफल आयोजन घोषित कर दिया।

स्थापना दिवस की तिथि पर भी उठे सवाल

1 नवंबर, जो राज्य स्थापना दिवस का मूल दिन है, उस दिन राज्य स्तर पर छुट्टी होने के बावजूद अधिकांश जिलों में कोई बड़ा आयोजन नहीं हुआ, कार्यक्रम 2 नवंबर से शुरू हुए और 4 नवंबर को समाप्त हो गए, जबकि रायपुर में यह उत्सव 5 नवंबर तक चला, इस विचित्र कार्यक्रम संरचना पर नागरिकों का कहना था कि ÷जब जनता घर पर थी, उस दिन कोई बड़ा आयोजन नहीं हुआ। जो दिन ऐतिहासिक था, वही सबसे शांत दिवस क्यों रहा?÷ जिला स्तरीय आयोजन 2 नवंबर से आयोजित किया गया जो एक दिन पूर्व के घोषित अवकाश से एक दिन बाद का दिन था।

संस्कृति की जगह सत्ता का प्रदर्शन

छत्तीसगढ़ महतारी की संस्कृति,परंपरा और लोक कला की झलक दिखाने के बजाय मंचों पर सत्ता पक्ष के प्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी छाए रहे, स्थानीय लोक कलाकारों को मंच का सीमित अवसर मिला, जबकि बाहरी समूहों को प्राथमिकता दी गई, छत्तीसगढ़ की मिट्टी,बोली, नृत्य और लोक परंपरा, जिनके लिए यह दिवस समर्पित होना चाहिए था, वे पृष्ठभूमि में रह गईं।

जनता की अनुपस्थिति, आयोजनों की सच्चाई

राजधानी से लेकर अंचल तक कई स्थानों पर कार्यक्रम स्थलों पर दर्शकों का अभाव दिखा,कुर्सियाँ खाली रहीं,उत्सव की चमक फीकी पड़ी,लोगों ने सोशल मीडिया पर भी अपनी नाराज़गी व्यक्त की,राज्योत्सव की खबरें अख़बारों और टीवी पर जरूर दिखीं,लेकिन हमारे मोहल्ले तक उसका उत्साह नहीं पहुँचा। वैसे अंतिम दिवस लोगों ने आयोजन स्थल का रुख किया लेकिन वहां सत्ता और प्रशासन की आपसी उत्साह को देखकर उन्होंने यही महसूस किया कि आयोजन पूर्णतः सत्ता और प्रशासन का ही रहा इससे आम लोगों का जुड़ाव कम इसीलिए रहा।

जनता के बीच यह चर्चा आम,'उत्सव किसका है'?

लोगों का कहना है कि राज्य स्थापना दिवस वास्तव में जनता का पर्व होना चाहिए था,न कि सिर्फ सत्ता और प्रशासन का कार्यक्रम, सरकारी फंड से हो रहे इन आयोजनों में अगर जनता की भागीदारी ही न दिखे, तो सवाल उठना लाजिमी है, जिस उत्सव में जनता दर्शक बन जाए, वह जनपर्व कैसे कहलाए? आयोजन के दौरान सत्ता और प्रशासन ही ज्यादा उत्साहित नजर आया,सत्ता और प्रशासन के लिए यह आयोजन पारिवारिक आयोजन की तरह रहा जहां उन्होंने जमकर उत्साह प्रदर्शन अपना किया।

छत्तीसगढ़ की पहचान जनता से है,न कि आयोजनों से...

राज्य का 25वां स्थापना वर्ष आत्ममंथन का अवसर था, छत्तीसगढ़ की परंपराओं, संघर्षों, मेहनतकश जनता और संस्कृति को सम्मान देने का समय, परंतु करोड़ों के खर्च और मंचीय भव्यता के बीच जनसंवेदना कहीं खो गई। जनता की बजाए आमंत्रण सत्ता और प्रशासन के बीच बंटा,जिलाधीश का सोशल मीडिया आह्वान भी कई जिलों में सरकारी आह्वान बनकर रह गया और जनसंपर्क भी अप्रभावी नजर आया।

निष्कर्ष,जनभागीदारी ही होगी सच्ची रजत जयंती

राज्योत्सव तभी सार्थक होगा,जब यह सत्ता का नहीं, जनता का उत्सव बने, जब मंचों पर भाषणों की जगह लोकगीत गूंजें,और जनता खुद उसकी आत्मा बने,क्योंकि,छत्तीसगढ़ की असली पहचान उसकी मिट्टी,उसकी भाषा और उसके लोग हैं,न कि भव्य पंडाल और सरकारी सजावट।

सरकार ने ऐसे मुख्य अतिथि क्यों बनाए जो आयोजन में पहुंच ही नहीं पाए?

राज्योत्सव आयोजन में सरकार ने प्रत्येक जिले के लिए मुख्य अतिथियों की नियुक्ति की,यह मंत्री, सांसद,विधायक और कई निगम आयोग के अध्यक्ष थे,कई जगह मुख्य अतिथियों ने पहुंचना ही मुनासिब नहीं समझा,कोरिया जिले के मुख्य अतिथि तीन दिवसीय आयोजन में एक दिन भी नजर नहीं आए,जिला प्रशासन को अंत में स्थानीय विधायक से ही आयोजन का शुभारंभ कराना पड़ा,वहीं एमसीबी जिले में मुख्य अतिथि ने अंतिम दिवस पहुंचना मुनासिब समझा आयोजन के शुभारंभ से उन्होंने भी दूरी ही बनाई,अब सवाल यह है कि जब आयोजनों को लेकर मुख्य अतिथि बनाए गए जनप्रतिनिधि ही गंभीर नहीं थे ऐसे मुख्य अतिथि सरकार ने बनाए ही क्यों।

एमसीबी जिले में मुख्य अतिथि पहुंची अंतिम दिवस,शुभारंभ कार्यक्रम से उन्होंने बनाई दूरी

एमसीबी जिले में मुख्य अतिथि बनाई गई भरतपुर सोनहत विधायक शुभारंभ कार्यक्रम से दूरी बनाती नजर आईं,उन्होंने अंतिम दिवस पहुंचकर समापन कार्यक्रम में हिस्सा लिया,एमसीबी जिले के समापन कार्यक्रम में मंच से ऐसा भी कुछ हुआ जो राज्य उत्सव और सरकार की उपलब्धियों के बखान की बजाए व्यवस्था की आलोचना थी,आलोचना भले ही हास्य व्यंग रचना से हुई लेकिन आलोचना हुई जो ऐसे विषय पर हुई आलोचना मानी जा रही है जो सत्ताधारी दल के लिए सबसे ज्वलंत मुद्दा है फिलहाल एमसीबी जिले में।

जिला सदस्य व भाजपा जिला मंत्री शिवकुमारी ने बच्चो को बांटे गर्म कपड़े

-संवाददाता-
सोनहत,05 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।
भाजपा जिला मंत्री एवं क्षेत्र की जिला पंचायत सदस्य शिव कुमारी सोनपाकर ने आदिवासी बालक छात्रावास कटगोड़ी मे छात्रों को गर्म कपड़ो का वितरण किया।
इस दौरान शिवकुमारी ने कहा कि दीपावली के मौके पर अवकाश होने के कारण वो बच्चो से नही मिल सकी थी उन्होंने बच्चो को दीपावली की शुभकामनाएं भी दिया उनसे छात्रावास में संचालित अध्यापन कार्य,भोजन एवं अन्य जानकारी ली साथ ही बच्चो को गर्म कपड़ों का वितरण किया, शिव कुमारी ने कहा कि समाज के अंतिम पंक्ति पर बसे लोगों के चहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास हमेशा किया जाना चाहिए जिला पंचायत सदस्य ने बच्चो के साथ काफी समय व्यतीत किया और अच्छे से पढ़ाई कर आगे बढ़ने की अपील की साथ ही किसी भी प्रकार की समस्या होने पर अवगत कराने को कहा। इस अवसर पर जनपद सदस्य श्रीमती आलेश्वरी अनिल गौतम जी, छात्रावास अधीक्षक श्री रवि पाण्डेय के अलावा शिक्षक अन्य उपस्थित रहे।

बिन बुलाए मंच पर ठसने की नई संस्कृति, आत्ममुग्धता या कदाचार?

अक्सर मंचों पर बिन बुलाए मेहमान आयोजकों के लिए नया सरदर्द, | सोशल मीडिया पर हीरो बनने की ललक ने बढ़ाई यह प्रवृत्ति...चर्चा है... | आत्ममुग्ध होकर स्वयं को विशिष्ट मानने वालों की सोच...

-रवि सिंह-
कोरिया,05 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।
आज समाज में एक नई प्रवृत्ति पनप रही है स्वयं को विशेष और विशिष्ट मान लेने की,यह प्रवृत्ति न केवल हास्यास्पद है, बल्कि सार्वजनिक आयोजनों की गरिमा को भी प्रभावित कर रही है, किसी भी सांस्कृतिक,सामाजिक या प्रशासनिक आयोजन में यह तय होता है कि मंच पर कौन बैठेगा। आमंत्रण पत्र में मुख्य अतिथि,विशिष्ट अतिथि और अन्य आमंत्रित जनों के नाम स्पष्ट रूप से प्रकाशित रहते हैं। आयोजन समिति उन्हें विधिवत आमंत्रित करती है, सम्मानपूर्वक मंच पर स्थान देती है, यही हमारी लोकरीति रही है, लेकिन जैसे ही कार्यक्रम शुरू होता है, उसी क्षण कुछ स्वयंभू ÷श्रेष्ठ जन÷ मंच की ओर बढ़ते नज़र आते हैं। न किसी ने बुलाया, न नाम सूची में है, फिर भी वे मंच पर ठस जाते हैं, मानो वही आयोजन के केंद्र बिंदु हों।
अब असली परेशानी होती है आयोजकों को क्योंकि स्वागत-सत्कार, नाश्ता-पानी और मोमेंटो की व्यवस्था आमंत्रित अतिथियों के अनुसार ही होती है। पर ये अनौपचारिक अतिथि सबसे आगे बैठकर न केवल बुके की प्रतीक्षा करते हैं, बल्कि स्मृति चिन्ह की मांग तक कर डालते हैं,फोटो सेशन में मुख्य भूमिका निभाना और बाद में सोशल मीडिया पर फलां कार्यक्रम में अतिथि बतौर शामिल हुआ जैसी पोस्ट डालना इनका प्रिय कर्म है,ऐसे स्वघोषित विशिष्ट जन समाज में सम्मान नहीं, बल्कि उपहास अर्जित करते हैं, यह आत्ममुग्धता नहीं तो और क्या है कि बिना किसी योगदान या निमंत्रण के व्यक्ति स्वयं को हीरो सिद्ध करने पर आमादा हो जाए,मंच की गरिमा तब बनती है जब वह आमंत्रित अतिथियों के सम्मान से सुसज्जित हो, न कि जब वह आत्मप्रचार के शिकार लोगों से भर जाए। इस प्रवृत्ति को रोकने का पहला कदम है – आत्मसंयम। जब मंच पर आपका नाम नहीं है, तो वहीं नीचे दीर्घा में बैठकर ताली बजाना कहीं अधिक गरिमामय है, कभी-कभी नीचे बैठ जाना ही व्यक्ति को ऊँचा बना देता है, और जब मंच पर जबरन ठसना व्यक्ति को छोटा कर देता है – सपरिवार याद किया जाता है,पर अच्छे शब्दों में नहीं।

जवलंत टिप्पणी

बिन बुलाए मंच पर ठसने की नई संस्कृति

- न नाम सूची में, न निमंत्रण – फिर भी मंच पर ठस जाते हैं!
- फोटो खिंचवाना और स्मृति चिन्ह लेना ही इनका उद्देश बन गया है।
- यह आत्ममुगंधता नहीं तो और क्या है?

अगर मंच पर आपका नाम नहीं है – नीचे बैठ जाना ही आपका बड़प्पन है।

👉 क्यी नीचे बैठ जाना भी आपको ऊँचा बना देता है

'कांतारा चैप्टर 1' के बाद मुझे लगता है,मेरा रेट बढ़ेगा मैं किसी को गॉडफादर नहीं मानता : गुलशन देवैया

एक समय बेंगलुरू में स्टूडेंट्स को फैशन की पढ़ाई पढ़ाने वाले गुलशन देवैया ने डिजानर बनने के बाद जब अभिनय का रुख किया,तो ये रास्ता उनके लिए कत्तई आसान न था। दैट गर्ल इन येलो बूट्स, शैतान, हंटर,मर्द को दर्द नहीं होता जैसी कई फिल्मों में तारीफें बटोरने के बाद वे कांतारा :चैप्टर वन में उनके रोल की काफी सराहना मिली है। उनसे एक खास बातचीत। अपनी हालिया फिल्म 'कांतारा: चैप्टर 1' की अभूतपूर्व सफलता और अपनी भूमिका को मिली तारीफ पर वे कहते हैं, 'प्रशंसा और एप्रिसिएशन तो मुझे अपने काम के कारण हमेशा मिलता रहा है। मगर जहां तक बॉक्स ऑफिस की बात है, तो मेरे करियर में ऐसी कमाई करने वाली ब्लॉक बस्टर आज तक हुई नहीं है। तो यकीनन इससे मेरा प्रोफाइल काफी स्ट्रॉन्ग हुआ है और जो आगे खिड़कियां और दरवाजे मेरे करियर के लिए खुलेंगे,वो भी अहम होंगे। हमारी इंडस्ट्री में ये जरूर देखा जाता है कि किसकी फिल्म ने कितनी कमाई की है? मुझे लगता है, अब मेरा रेट बढ़ेगा। हां, व्यक्तिगत रूप से कोई फर्क नहीं पड़ा है। मगर मैं इसे इंजॉय कर रहा हूं।

हिट एंड रन केस में पिता की कमर टूटना, बहुत बुरा दौर

कला गुलशन को माता-पिता से विरासत में मिली। वे कहते हैं, 'मेरे माता-पिता दोनों कलाकार हैं। संगीत, नाटक और पेंटिंग की विरासत मुझे उन्हीं से मिली। आज मेरी उलब्धियों पर वे खुश होते हैं,मगर मुझे अफसोस है कि वे कांतारा चैप्टर वन नहीं देख पाए। कुछ दिनों पहले एक सड़क हादसे में मेरे पिता की कमर टूट गई थी। वे बेंगलुरू में हिट एंड रन केस के शिकार हो गए। उनकी सर्जरी और ट्रीटमेंट के दौरान मैं उन्हीं के साथ था। जहां तक मेरी मम्मी की बात है, तो वे थिएटर नहीं जा पातीं, वे हैंडीकैप्ड हैं। कई चीजें वे नहीं कर पातीं, तो मुझे उनको नहलाना पड़ता है, बाल संवारने पड़ते हैं। वे बहुत सालों से बीमार हैं। मम्मी को मैं स्पेशल स्क्रीनर या फिर जब ओटीटी पर फिल्म आती है, तब दिखा पाता हूं। मेरी मां 1984 से बीमार रही हैं। उनकी इम्यूनिटी हमेशा लो रही है। मम्मी की हालात हमेशा से बुरी रही है। बीमारी में भी वे ऑफिस जाती थीं। पापा तब दूसरी चीजें संभाला करते थे। 2019 से तो वे बिस्तर पर ही हैं, इसके बावजूद जब मैं 2008 में अभिनय के लिए घर से निकला, तो मम्मी-पापा ने एक बार नहीं कहा कि उनका क्या होगा? किसी ने भी मुझे नहीं रोका। मेरी मां 77 साल की हैं और पिता 89 के, मगर मेरी मम्मी मुझसे एक रुपया भी नहीं लेतीं। मैं उन्हें जब भी पैसे देता हूं, वे लौटा देती हैं। मुझे अपनी ख्वाहिशें पूरी करने के लिए उन्होंने कभी नहीं रोका, तो आज माता-पिता की सेवा करना मेरा फर्ज है।'

मेरे पैरंट भी मेरे फैशन सेन्स पर सवाल उठते हैं...

गुलशन को अपने फैशन सेन्स के कारण ट्रोलिंग का सामना भी करना पड़ा है। वे कहते हैं, 'फैशन से मेरा नाता शुरू से ही रहा है। निफ्ट से फैशन का डिप्लोमा लेने के बाद मैं तकरीबन आठ सालों तक बेंगलुरू के कॉलेज में स्टूडेंट्स को फैशन की पढ़ाई करवाई। मैंने आठ सालों तक डिजाइनर के रूप में काम भी किया। जहां तक अपनी ड्रेसिंग को लेकर ट्रोल होने का सवाल है, तो मैं मेरा मानना है कि फैशन फन होना चाहिए। मुझे फैशन के मामले में एक्सपेरिमेंट करना पसंद है। अगर वो लोगों को पसंद नहीं आता, तो कोई बात नहीं। उनकी कोई टिप्पणी जरूर हो सकती है। कई बार मेरे माता-पिता भी कहते हैं कि तुमने ये क्यों पहना है? अच्छा नहीं लग रहा। मगर मुझे बढ़िया लगता है। मैं मजे के लिए करता हूं। मैं फैशन किसी चीपनेस, किसी को नुकसान पहुंचाने या किसी संस्कृति का मजाक उड़ाने के लिए नहीं करता।'

मेरी पहली फिल्म रिलीज ही नहीं हुई...

अपने संघर्ष के बारे में वे कहते हैं, 'मैं अपने स्ट्रगल का रोना नहीं रोना चाहता, क्योंकि यह इस जर्नी का हिस्सा होता है। मैंने रिजेक्शन भी सहा, तो अपनापन भी मिला। मैं गंभीर रूप से चोटिल होकर घुटने की सर्जरी से भी गुजरा। मगर मुझे अच्छे लोग भी मिले। मैं किसी को गॉडफादर नहीं मानता। आपको अपना रास्ता खुद ढूंढना होता है। अपनी पहली फिल्म टीना की चाबी में मेरा महज 3 दिन का काम था और मैंने इम्प्रोवाइज करके तीन लाइनें बोली थीं। उस फिल्म में मेरे कई दोस्त थे और डायरेक्टर भी परिचित ही थे। उस फिल्म के हीरो रणवीर शौरी थे। वो फिल्म रिलीज नहीं हो पाई थी। टेक्निकली रिलीज हुई मेरी पहली फिल्म दैट गर्ल इन येलो बूट थी। बस उस फिल्म के बाद मेरे करियर की गाड़ी चल निकली।'

कांतारा: चैप्टर वन का रोल मुझे ध्यान में रखकर लिखा गया

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए वे कहते हैं, 'साल 2019 में के डी सतीश चंद्र ने मेरी मुलकात रिषभ शेट्टी से करवाई थी। तब रिषभ ने मुझसे कहा था कि वे हंटर के बहुत बड़े फैन हैं। उस वक्त ही मैं समझ गया था कि अपने क्राफ्ट और काम के लिए इनमें अलग तरह का जुनून है। हमने एक साथ एकाध और फिल्म भी अनाउंस की थी, मगर वो वर्कआउट नहीं हो पाई। फिर एक दिन इनका कॉल आया और अपनी राइटर टीम के साथ उन्होंने बताया कि मुझे ध्यान में रखकर एक भूमिका लिखी गई है। हालांकि शूटिंग आसान नहीं थी। मौसम बहुत खराब था, सड़कें और पुल नहीं थे। रिषभ ने पुल बनवाया, जब गाड़ियां जा नहीं पा रही थी। तमाम चुनौतियों के बावजूद मुश्किल हालातों में भी फिल्म को उत्कृष्ट ढंग से पूरा करने का जुनून उत्कृष्ट रहा।'

मीना कुमारी का किरदार निभाएगी कियारा आडवाणी

मदरहुड का आनंद लेने का बाद एक्ट्रेस कियारा आडवाणी ने अपनी पहली फिल्म साइन कर ली है, जो बॉलीवुड की मशहूर अदाकारा मीना कुमारी की जिंदगी पर आधारित होगी। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले साल निर्देशक सिद्धार्थ पी मल्होत्रा ने मीना कुमारी और कमाल अमरोही की कहानी पर आधारित बायोपिक 'कमाल और मीना' की घोषणा की थी। तब से यह चर्चा में था कि इस फिल्म में 'ट्रेजेडी क्वीन' मीना कुमारी का किरदार कौन निभाएगा। लंबे समय से कृति सेनन और कियारा आडवाणी के नामों को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं, लेकिन अब एक रिपोर्ट ने यह साफ कर दिया है कि कियारा आडवाणी को इस प्रतिष्ठित रोल के लिए फाइनल कर लिया गया है।

सूत्रों के मुताबिक, फिल्ममेकर को कियारा में वह भावनात्मक गहराई और विंटेज बॉलीवुड चार्म मिला है, जो मीना कुमारी के किरदार के लिए जरूरी था। बताया गया है कि कियारा इस भूमिका की तैयारी में पूरी तरह जुटने वाली हैं। उन्हें मीना कुमारी की तरह संवाद अदायगी के लिए उर्दू भाषा की बुनियादी जानकारी भी हासिल करनी होगी। फिल्म की शूटिंग अगले साल की शुरुआत में शुरू होने की उम्मीद है,और इसकी मुख्य शूटिंग पहले छह महीनों के भीतर पूरी करने की योजना है। फिल्म 'कमाल और मीना' को सिद्धार्थ पी मल्होत्रा, सारेगामा और अमरोही परिवार के सहयोग से बनाया जा रहा है। यह बायोपिक मीना कुमारी और लेखक-निर्देशक कमाल अमरोही के बीच के जटिल लेकिन भावनात्मक रिश्ते को पर्दे पर जीवंत करेगी। हालांकि, अभी फिल्म के मेल लीड यानी कमाल अमरोही की भूमिका के लिए अभिनेता की तलाश जारी है। कियारा

आडवाणी के फैंस के लिए यह खबर किसी सरप्राइज से कम नहीं है। मां बनने के बाद कियारा का इस तरह एक गंभीर और चुनौतीपूर्ण किरदार से वापसी करना उनके करियर का नया और प्रभावशाली अध्याय साबित हो सकता है। बता दें कि कियारा आडवाणी इन दिनों अपने जीवन के सबसे खूबसूरत दौर मदरहुड का आनंद ले रही हैं। हाल ही में उन्होंने पति सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ अपने पहले बच्चे का स्वागत किया था। अब मां बनने के कुछ ही समय बाद कियारा ने अपने करियर का अगला बड़ा कदम उठाया है।

फिल्म रिव्यू : 'हक'

यामी गौतम ने किरदार नहीं निभाया, उसे जिया फिल्म औरत के आत्मसम्मान की करती है बात

फिल्म 'हक' के निर्माताओं ने शुरुआत से ही साफ कर दिया था कि यह मूवी जिग्ना वोरा की किताब 'बानो भारत की बेटी' का फिक्शनल अडेप्टेशन है और शाह बानो केस से प्रेरित है। एक ऐसा विषय जो बरसों से बहस के केंद्र में रहा है धर्म, समाज और कानून के बीच महिला के अधिकारों की लड़ाई। डायरेक्टर सुपर्ण वर्मा इस संवेदनशील विषय को भावनात्मक और यथार्थ के मेल में पिरोते हैं। फिल्म देखते वक्त एहसास होता है कि ये कहानी सिर्फ एक महिला की नहीं, बल्कि उस संघर्ष की है जो हर पीढ़ी की कई औरतों ने झेला है।

फिल्म की कहानी कैसी है?

शाजिया बानो (यामी गौतम) की जिंदगी उसके पति अब्बास खान (इमरान हाशमी), दो बेटों और एक बेटी के साथ गुजर रही होती है, लेकिन जब अब्बास दूसरी शादी कर लेता है और शाजिया को बच्चों सहित छोड़ देता है, तो उसका संसार बिखर जाता है। शुरुआत में अब्बास बच्चों के खर्चे का वादा करता है, लेकिन जब वह भी बंद हो जाता है, तो शाजिया चुप नहीं रहती वह अदालत जाने का कदम उठाती है। उसका यह कदम समाज में हलचल मचा देता है। जवाब में अब्बास उसे चुप कराने के लिए तीन तलाक बोल देता है।

जो शुरुआत में एक घर की चारदीवारी तक सीमित थी, वही लड़ाई धीरे-धीरे धार्मिक रंग और सामाजिक आयाम लेने लगती है। अदालत, समाज और धर्म की व्याख्याओं के बीच शाजिया की आवाज़ अब सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि हर उस औरत के लिए उठने लगती है जो अपने अधिकारों और आत्मसम्मान के लिए खड़ी होना चाहती है। फिल्म की कहानी आगे चलकर एक राष्ट्रीय बहस का रूप लेती है और सवाल छोड़ जाती है कि क्या आज भी महिलाओं को समाज में वह स्थान मिला है जिसकी वे हकदार हैं। फिल्म में एक्टिंग कैसी की गई? यामी गौतम ने शाजिया के किरदार में जान डाल दी है। उनके चेहरे के भाव, आंखों की नमी और संवादों में दृढ़ता सब कुछ इतना सच्चा लगता है कि लगता है उन्होंने इस किरदार को निभाया नहीं, जिया है। इमरान हाशमी ने अब्बास खान के किरदार में अपनी एक्टिंग की परिपक्वता दिखाई है और साबित किया है कि वो एक ऐसे एक्टर हैं जो अपने रोल की सीमाओं में रहकर भी असर छोड़ जाते हैं। शीबा चड्ढा बतौर वकील बेला जैन और दानिश हुसैन शाजिया के पिता के रूप में फिल्म की रीढ़ हैं। दोनों का काम गहराई और सादगी लिए हुए है।

फिल्म का निर्देशन व तकनीकी पक्ष कैसा है?

सुपर्ण वर्मा का डायरेक्शन इस फिल्म की आत्मा है। इतना सेंसिटिव और थॉट-प्रोवोकिंग टॉपिक विषय चुनना और उसे बिना ओवरड्रामा के सच्चाई के साथ पेश करना आसान नहीं था। फिल्म का ट्रीटमेंट रॉ और रियल है। टोन, सेट, लोकेशन और सिनेमैटोग्राफी में उस दौर (1980 के दशक) का एहसास बखूबी झलकता है। पहला हाफ थोड़ा स्लो फील होता है, लेकिन दूसरे हाफ में मूवी पकड़ बना लेती है और दर्शकों को अंत तक बांधे रखती है। कोर्टरूम ड्रामा के बावजूद यह फिल्म कहीं से भी टिपिकल बॉलीवुड ट्रैक पर नहीं जाती, यही इसकी सबसे बड़ी खूबी है।

फिल्म का म्यूजिक कैसा है?

विशाल मिश्रा का म्यूजिक फिल्म की आत्मा के साथ मेल खाता है। गाने स्वीट हैं और सिचुएशन से पूरी तरह कनेक्टेड, हालांकि इमरान हाशमी के पिछले कामों की तरह यहां रोमांटिक चार्टबस्टर नहीं हैं, लेकिन बैकग्राउंड स्कोर इमोशंस को डीप बना देता है और गहराई देता है।

क्यों देखें यह फिल्म? 'हक' एक ऐसी फिल्म है जो आपको भीतर तक झकझोर देती है। यामी गौतम और इमरान हाशमी की शानदार अदाकारी के साथ यह फिल्म न सिर्फ एक महिला की कानूनी लड़ाई दिखाती है, बल्कि समाज के आईने में हमारे सोचने के तरीके पर भी सवाल उठाती है।

खेल समाचार

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथा टी-20 आज

नई दिल्ली,05 नवम्बर 2025। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथा टी20 मैच गुरुवार को यहां खेला जाएगा। अभी तक दोनो ही टीमें 1-1 से सीरीज में बराबरी पर हैं। ऐसे में ये मैच दोनो ही टीमों के लिए बेहद अहम रहेगा। इसमें विजेता टीम को सीरीज में बढ़त मिल जाएगी। सीरीज का पहला मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था जबकि दूसरा मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने जीता था। वहीं तीसरा मैच भारतीय टीम ने जीता है। इस मैच में सलामी बल्लेबाजी शुभमन गिल पर सभी की नजरें रहेंगी। शुभमन अभी तक इस सीरीज में एक बार भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। इस मैच में भारतीय टीम का पलड़ा भारी नजर आता है क्योंकि एशेज सीरीज की तैयारी के लिए कई ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी इससे बाहर हैं। पिछले मैच में जोश हेजलवुड के नहीं होने से मेजबान टीम की गेंदबाजी कमजोर हुई थी। इस मैच में सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड भी नहीं रहेंगे। वह एशेज की तैयारी के लिए शेफील्ड शील्ड में खेल रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया की टीम में कई बड़े खिलाड़ियों के नहीं होने से भारतीय टीम के पास इस मैच को जीतकर सीरीज में ढ़त हासिल करने का यह सबसे अच्छा अवसर

है। वहीं भारतीय टीम की चिन्ता शुभमन का फार्म है। वह ऑस्ट्रेलिया के वर्तमान दौरे में छह मैच में एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाये हैं। एकदिवसीय सीरीज में भी वह असफल रहे। वहीं टी20 सीरीज के दोनो ही मैचों में वह रन नहीं बना पाये। शुभमन को फुल लेंथ की गेंदों से परेशानी हो रही है, जिनमें मूवमेंट की झलक दिख रही है। चिंता की बात यह है कि शुभमन अभी तक अपनी परंपरागत अंदाज में नहीं दिखे हैं। भारतीय टीम का सकारात्मक पक्ष ये है कि सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा अभी अच्छे फार्म में हैं। टीम को उनसे एक बार फिर आक्रामक पारी की उम्मीद होगी। शुभमन को इस सीरीज के बाद दक्षिण अफ्रीका ने खेलना है जिसको देखते हुए उन्हें लय हासिल करने के लिए रन बनाने होंगे। वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहले और तीसरे मैच में अच्छी शुरुआत की थी जिसे अब वह बड़े स्कोर में बदलना चाहेंगे। वहीं बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के शामिल होने से भारतीय टीम की गेंदबाजी बेहतर होगी। स्पिन स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर के होने से निचले क्रम पर भी भारतीय बल्लेबाजी मजबूत होगी। वाशिंगटन ने पिछले मैच में 23 गेंद पर नाबाद 49 रन बनाये थे। दूसरी ओर मेजबान टीम की बल्लेबाजी कप्तान मिचेल मार्श और टिम डेविड पर निर्भर करेगी। हेड के नहीं होने से मार्श के साथ इस मैच में मैथ्यू शॉर्ट सलामी जोड़ीदार के तौर पर उतर सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया को अपने गेंदबाजी विभाग में बदलाव करने होंगे क्योंकि सीन एबॉट उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। ऐसे में बेन ड्वार्शुइस या महली बियर्डमैन में से किसी एक को शामिल किया जा सकता है।

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलिया : मिशेल मार्श (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जोश इंग्लिस (विकेट कीपर), जोश फिलिप (विकेट कीपर), मिशेल ओवेन, ग्लेन मैक्सवेल, मैट कुहनेमन, एडम ज़म्पा, महली बियर्डमैन, बेन ड्वार्शिस, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, मार्कस स्टोइनिस।

वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड को 7 विकेट से पहला टी-20 हराया

ऑकलैंड,05 नवम्बर 2025। वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड को पहले टी-20 में 7 विकेट से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। ऑकलैंड के ईडन पार्क में बुधवार को न्यूजीलैंड ने बॉलिंग चुनी। वेस्टइंडीज ने 6 विकेट खोकर 164 रन बनाए। कीवी टीम 9 विकेट खोकर 157 रन ही बना पाई।

कप्तान शाई होप की फिफ्टी

टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी वेस्टइंडीज ने पहले ही ओवर में ब्रैंडन किंग का विकेट गंवा दिया। किंग ने 3 रन बनाए। एलिक एथनाज 16 और अकीम ऑगस्टे 2 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। कप्तान शाई होप ने फिर रोस्टन चेज के साथ पारी संभाली। होप ने फिफ्टी लगाई और टीम को 100 के करीब पहुंचा दिया। होप 39 गेंद पर 53 रन बनाकर आउट हुए। रोस्टन चेज ने फिर टीम को 150 तक पहुंचाया। चेज ने 28 रन बनाए। आखिर में रोवमन पॉवेल ने 33 रन बनाकर टीम को 164 रन तक पहुंचा दिया। जेसन होल्डर 5 और रोमारियो शेफर्ड 9 रन बनाकर नॉटआउट रहे।

फॉल्क्स और डफी को 2-2 विकेट

न्यूजीलैंड के लिए जैकरी फॉल्क्स ने 35 रन देकर 2 विकेट लिए। जैबक डफी ने 19 रन देकर 2 विकेट झटके। काइल जैमिसन और जैम्स नीशम को 1-1 विकेट मिला। कप्तान मिचेल सैंटनर और रचिन रवींद्र कोई विकेट नहीं ले सके।

न्यूजीलैंड की खराब शुरुआत

165 रन के टारगेट के सामने कीवी टीम की शुरुआत खराब रही। टीम ने 48 रन पर ही 2 विकेट गंवा दिए। डेवोन कॉन्वे 13 और टिम रोबिनसन 27 रन बनाकर आउट हुए। मार्क चापमन 7 रन ही बना सके। रचिन रवींद्र ने 21 रन बनाए। उनके बाद डेरिल मिचेल 13, माइकल ब्रेसवेल 1 और जिमी नीशम 11 ही रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

सैंटनर ने टारगेट के करीब पहुंचाया

न्यूजीलैंड ने 100 रन पर 7 विकेट गंवा दिए। यहां से कप्तान मिचेल सैंटनर ने एक एंड संभाल लिया और टीम को टारगेट के करीब ले जाने की कोशिश की। उनके सामने जैकरी फॉल्क्स 1 और काइल जैमिसन 2 ही रन बनाकर आउट हो गए। आखिरी 3 ओवर में 56 रन चाहिए थे। सैंटनर ने 18वें ओवर में मैथ्यू फॉर्ड के खिलाफ 23 रन बना दिए। 19वें ओवर में जेसन होल्डर के खिलाफ 13 रन बन गए। आखिरी ओवर में 20 रन चाहिए थे। रोमारियो शेफर्ड ने ओवर में 12 ही रन दिए और टीम को 7 रन से जीत दिला दी। सैंटनर 55 रन बनाकर नॉटआउट रहे।

अंडर-19 वनडे चैलेंजर ट्रॉफी में द्रविड़ के बेटे अन्वय पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली,05 नवम्बर 2025। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कोच राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय भी हैदराबाद में शुरू रहे पुरुष अंडर19 एकदिवसीय चैलेंजर ट्रॉफी में खेलते नजर आयेंगे।

विकेटकीपर बल्लेबाज अन्वय को इस टूर्नामेंट में टीम सी में शामिल किया गया है। ऐसे में सभी की नजरें अन्वय के प्रदर्शन पर रहेंगी। इस टूर्नामेंट से युवा क्रिकेटरों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। इस टूर्नामेंट का पहला मुकाबला शुक्रवार को आरोन जॉर्ज की अगुवाई वाली टीम सी वेदांत त्रिवेदी की कप्तानी वाली टीम बी के खिलाफ करेगी। टूर्नामेंट में भाग ले रही।

टीमें इस प्रकार हैं

टीम ए : विहान मल्होत्रा (कप्तान), अभिज्ञान कुंडू (उपकप्तान और विकेटकीपर), वंश आचार्य, बालाजी राव (विकेटकीपर), लक्ष्य रायचंदानी, विनीत वीके, मार्कंडेय पांचाल, सात्विक देसवाल, वी यशवीर, हेमचुदेशन जे, आरएस अंबरीश, हनी प्रताप सिंह, वासु देवानी, युधाजीत गुहा, इशान सूद।

टीम बी : वेदांत त्रिवेदी (कप्तान), हरवंश सिंह (उपकप्तान और विकेटकीपर), वाफी कच्छी, सागर विर्क, सायन पॉल, वेदांत सिंह चौहान, प्रणव पंत, अहित सलारिया (विकेटकीपर), बी के किशोर, अनमोलजीत सिंह, नमन पुष्पक, डी दीपेश, मोहम्मद मलिक, महामद यासीन सौदागर, वैभव शर्मा।

टीम सी : आरोन जॉर्ज (कप्तान), आर्यन यादव (उपकप्तान), अंकित चटर्जी, मणिकांत शिवानंद, राहुल कुमार, यश कासवांकर, अन्वय द्रविड़ (विकेटकीपर), युवराज गोहिल (विकेटकीपर), खिलान ए पटेल, कनिष्क चौहान, आयुष शुक्ला, हेनिल पटेल, लक्ष्मण प्रुथी, रोहित कुमार दास, मोहित उलवा।

टीम डी : चंद्रहास दाश (कप्तान), मौल्यराजसिंह चावड़ा (उपकप्तान), शांतनु

सिंह, अर्नव बुग्गा, अभिनव कन्नन, कुशाग्र ओझा, आर्यन सकपाल (विकेटकीपर), ए रापोल (विकेटकीपर), विकल्प तिवारी, मोहम्मद एनान, अयान अकरम, उधव मोहन, आशुतोष महिदा, एम तोशिथ यादव, सोलिब तारिक।

रायपुर एयर शो...फाइटर जेट्स ने आसमान में दिल-तिरंगा बनाया

सूर्यकिरण टीम ने दिखाए फॉर्मेशन,आकाश-गंगा की टीम ने लगाई छलांग

रायपुर,05 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के अवसर पर नवा रायपुर में भारतीय वायु सेना की सूर्यकिरण एयरोबेटिक टीम ने आसमान में रोमांचक करतब दिखाए। सेंध तालाब के ऊपर हुए एयर शो में 9 हॉक एमके-132 फाइटर जेट्स ने एक साथ उड़ान भरते हुए 'तिरंगा', 'हार्ट इन द स्काई' और 'एरोहेड' जैसे शानदार फॉर्मेशन पेश किए। ग्रुप कैप्टन अजय दशरथी ने सूर्यकिरण टीम का नेतृत्व किया, जबकि स्क्वॉड्रन लीडर गौरव पटेल, जो छत्तीसगढ़ के रहने वाले हैं, टीम का हिस्सा रहे। गौरव ने कहा कि यह शो उनके लिए बेहद खास रहा। वहीं फ्लाइट लेफ्टिनेंट कंवल संधू ने कमेंट्री की जिम्मेदारी संभाली और दर्शकों को हर करतब की जानकारी दी। राज्योत्सव पर वायु सेना की टीम का रोमांचक एयर शो, सेंध जलाशय के ऊपर आसमां में 'जय जोहार' और 'छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया' गूंजा। अनुशासन, परस्पर विश्वास, सटीकता और देश प्रेम के जज्बे के साथ वायु सेना के विमानों ने कलाबाजी दिखाई। वायु सेना का एयर शो छत्तीसगढ़वासियों के लिए कमाल का अनुभव, लोग देखकर एक घंटे तक मंत्रमुग्ध होते रहे। इस दौरान उप राष्ट्रपति

सीपी राधाकृष्णन, राज्यपाल रमेन डेका, सीएम विष्णु देव साय और विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह ने एयर शो देखा। शो शुरू होने से पहले तेलीबांधा से सेंध लेक तक करीब 5 किलोमीटर लंबा जाम लग गया था। आम लोगों के साथ वीआईपी वाहन भी जाम में फंसे रहे, जबकि एयरपोर्ट से सत्य साई हॉस्पिटल तक वाहनों की रफ्तार बेहद धीमी रही। एयर शो के दौरान 'सूर्यकिरण' टीम के लीडर ग्रुप कैप्टन अजय दशरथी ने आसमान से छत्तीसगढ़वासियों को रजत महोत्सव की बधाई दी। वहीं छत्तीसगढ़ निवासी भारतीय वायु सेना के स्क्वाड्रन लीडर श्री गौरव पटेल ने सेंध जलाशय के ऊपर अपने कॉकपिट से 'जय जोहार' और 'छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया' कहकर दर्शकों का अभिवादन किया। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप, खाद्य मंत्री श्री दयाल दास बघेल, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा, वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, कौशल विकास मंत्री गुरू खुशवंत साहेब और सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल सहित विभिन्न निगमों, मंडलों और आयोगों के पदाधिकारी भी एयर शो देखने पहुंचे थे। 'सूर्यकिरण' टीम ने अनुशासन, परस्पर विश्वास, सटीकता और उत्साह के साथ एक घंटे तक वायु सेना के विमानों के साथ कलाबाजी दिखाकर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। नवा रायपुर के सेंध जलाशय में मौजूद हजारों दर्शक पायलटों के हैरतअंगेज साहस और करतबों को देखकर मंत्रमुग्ध होते रहे। विंग कमांडर श्री ए.व्ही. सिंह के नेतृत्व में वन-एफ-9 और वन-एफ-8 हेलीकॉप्टर यूनिट ने वी-17 और वी-5 हेलीकॉप्टरों से स्लीपरी और स्काई-ऑपरेशन के करतब दिखाए। 'आदिदेव' नाम के इन हेलीकॉप्टरों से केवल 15 मीटर ऊंचाई पर स्थिर रहकर 14 गरूड़ कमांडोज रस्सी के सहारे नीचे उतरे। वहीं स्काई-ऑपरेशन के दौरान आठ गरूड़ कमांडोज रस्सी पर लटककर हेलीकॉप्टर से दर्शकों के सामने से आकाश में उड़ते हुए गुजरे। इन दोनों ऑपरेशनों को लड़ाई और आपदा के दौरान जनसामान्य को बचाने के लिए किया जाता है।

फाइटर जेट्स के रोमांचक नजारों को लोगों ने किया कैद

फाइटर जेट्स के रोमांचक नजारों को लोगों ने अपने मोबाइल कैमरों में कैद किया। आसमान में उड़ते विमानों की गूंज और करतबों को देखकर दर्शक रोमांचित हो उठे। कई लोगों ने इन शानदार क्षणों को वीडियो और तस्वीरों के रूप में सोशल मीडिया पर साझा किया। नवा रायपुर स्थित सेंध तालाब के ऊपर एयर शो का आयोजन किया गया। नवा रायपुर में सेंध तालाब के ऊपर आयोजित एयर शो में हैरतअंगेज करतब दिखाने वाले जांबाज।

आसमान में बना दिल

सूर्यकिरण की टीम ने 'हार्ट इन द स्काई' पेश किया। आसमान में दिल जैसा नजारा दिखा। इसके साथ ही टीम ने 'बॉम्ब बर्स्ट' और 'एरोहेड' जैसे रोमांचक फॉर्मेशन पेश किया। नवा रायपुर में 9 हॉक एमके-132 फाइटर जेट्स एक साथ आसमान में उड़ान भर रहे हैं। टीम ने आसमान में तिरंगा भी दिखाया। इसके साथ ही 'बॉम्ब बर्स्ट' 'हार्ट इन द स्काई' और 'एरोहेड' जैसे रोमांचक फॉर्मेशन पेश कर रहे हैं। नवा रायपुर में एयर शो देखने जा रहे लोग सड़कों पर फंसे हैं, लंबी वाहनों की कतारें लगी हैं।

बीजेपी नेता पर सख्त कार्रवाई : थाना प्रभारी से दुर्व्यवहार के मामले में एफआईआर,गिरफ्तारी की तैयारी

कवर्धा,05 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के कवर्धा में राज्योत्सव के दूसरे दिन बड़ा बवाल हो गया। तीन दिवसीय राज्योत्सव के दौरान रविवार रात भाजपा कार्यकर्ता और पुलिस के बीच तीखी झड़प देखने को मिली। मामला इतना बढ़ गया कि भाजपा कार्यकर्ता ने ऑन-ड्यूटी थाना प्रभारी की कॉलर तक पकड़ ली और पुलिसकर्मियों को अश्लील गालियां दीं। झूमाझटकी में थाना प्रभारी की नेम प्लेट और बटन तक टूटकर गिर गए। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। कवर्धा में 2 से 4 नवंबर तक राज्योत्सव का आयोजन किया गया था। दूसरे दिन छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध लोकगायक अनुराग शर्मा मंच पर अपनी प्रस्तुति दे रहे थे। कार्यक्रम के दौरान दर्शक दीर्घा में बैठे भाजपा कार्यकर्ता राकेश साहू बार-बार मंच के पास जाकर वीडियो बना रहे थे। इससे पीछे बैठे दर्शक परेशान होकर विरोध करने लगे। इसके बाद ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने उन्हें वीडियो बनाने से मना किया। पुलिस का आरोप है कि मना करने पर राकेश साहू ने थाना प्रभारी योगेश कश्यप और अन्य पुलिसकर्मियों से गाली-गलौच शुरू कर दी। इतना ही

नहीं, उन्होंने गुस्से में थाना प्रभारी की कॉलर पकड़ ली और झूमाझटकी करने लगे। इसी दौरान टीआई की नेम प्लेट और शर्ट के बटन टूटकर गिर गए। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर स्थिति को किसी तरह संभाला। भीड़ बढ़ने के बाद कार्यक्रम में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, वहां मौजूद नगरपालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी और कुछ अन्य भाजपा कार्यकर्ताओं ने हस्तक्षेप कर माहौल शांत कराया। घटना के बाद वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा, जिससे जिले का राजनीतिक माहौल गरम हो गया। विपक्ष ने भाजपा पर तीखा हमला बोला और पुलिस प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की।

छत्तीसगढ़ राज्य अलंकरण पुरस्कार....34 विभूतियों को मिला सम्मान

बॉलीवुड फिल्म डायरेक्टर अनुराग बसु,राइटर सुनील सोनी समेत 41 नाम,रायपुर में उपराष्ट्रपति ने किया सम्मानित

रायपुर,05 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2025 के अवसर पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने 41 व्यक्तियों और संस्थाओं को सम्मानित किया। इनमें बॉलीवुड फिल्म डायरेक्टर अनुराग बसु,छत्तीसगढ़ी फिल्म राइटर, डायरेक्टर समेत अलग-अलग क्षेत्रों में काम करने वाली हस्तियां शामिल हैं। छत्तीसगढ़ राज्य अलंकरण पुरस्कारों की लिस्ट सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी किया है। इस बार सम्मान पाने वालों में शिक्षा, पत्रकारिता, समाजसेवा, संस्कृति, महिला सशक्तिकरण, खेल, कृषि, सहकारिता और साहित्य के क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाले लोग शामिल हैं। वहीं चंदूलाल चंद्राकर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार संदीप तिवारी, सोमेश पटेल और अभिषेक शुक्ला को मिला है। मधुकर खेर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार भावना पांडेय, दानवीर भामाशाह सम्मान नीरज कुमार बाजपेयी को मिला है। कार्यक्रम में सीएम विष्णुदेव साय भी

मौजूद हैं। साय ने कहा कि इन पुरस्कारों का उद्देश्य छत्तीसगढ़ की प्रतिभाओं और समाजसेवियों को सम्मानित करना और उनके काम से आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देना है। कार्यक्रम की हर वर्ग सराहना कर रहा है।

गौरक्षा के लिए भारतीय कुष्ठ निवारक संघ को मिला सम्मान : सूची के अनुसार, 'शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति सम्मान' आदिवासी सामाजिक चेतना और उत्कृष्ट योगदान के लिए हिरेश सिन्हा का नाम घोषित किया गया है। वहीं अहिंसा और गौरक्षा के लिए यति यतनलाल सम्मान जांजगीर-चांपा की संस्था भारतीय कुष्ठ निवारक संघ को मिला है। हिंदी और छत्तीसगढ़ी सिनेमा में निर्देशन में उत्कृष्ट काम करने के लिए किशोर साहू राष्ट्रीय अलंकरण सम्मान से डायरेक्टर अनुराग बसु को मिला है। चंदूलाल चंद्राकर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार संदीप तिवारी, सोमेश पटेल और अभिषेक शुक्ला को मिला है।

अवॉर्ड पाने वाले 14 उत्कृष्ट व्यक्ति रायपुर के : सामान्य प्रशासन विभाग की लिस्ट के अनुसार, इस बार राज्य अलंकरण समारोह में सम्मान पाने वालों की संख्या पहले से ज्यादा है, लेकिन अवॉर्ड की संख्या कम रखी गई है।

राज्यभर में कुल 35 अवॉर्ड दिए गए हैं, जिनमें रायपुर के लोगों की संख्या 14 यानी सबसे ज्यादा है।

ट्रेन हादसे में लोको पायलट समेत 11 की मौत,रात भर चला राहत बचाव कार्य, 20 घायलों में आधा दर्जन की हालत गंभीर

बिलासपुर,05 नवम्बर 2025। गतौरा-बिलासपुर के बीच मालगाड़ी और मेमू लोकल ट्रेन के बीच टक्कर में लोको पायलट सहित 11 यात्रियों के मौतों की पुष्टि हो गई है। हादसे में 20 यात्री घायल हुए है। घायलों में आधा दर्जन से अधिक यात्रियों की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है। घायलों का रेलवे के अलावा शहर के अलग-अलग अस्पतालों में इलाज जारी है। जिस वक्त यह दुर्घटना घटी मालगाड़ी के ट्रेन मैनेजर ने तत्परता दिखाते हुए कूद कर अपनी जान बचा ली, मगर मेमू के लोको पायलट विद्या सागर की इस घटना में मौत हो गई। घंटों की मशक्कत के बाद डब्बे को गैस कटर से काटकर उनके शव को बाहर निकाला गया। असिस्टेंट लोको पायलट को गंभीर स्थिति में अपोलो हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है।

मरीज को जब हुआ साइड इफेक्ट,तब छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन ने एक और दवा के उपयोग पर लगाई रोक

रायपुर,05 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन ने दो और दवाओं के वितरण पर रोक लगा दी है। इनमें एक आयरन सुक्रास इंजेक्शन और दूसरी बीकाफेन दवा है। दोनों की ही एक्सपायरी

अगले वर्ष की है। इंजेक्शन वायटल हेल्थ केयर और दवा बहुचर्चित 9 एम कंपनी के उत्पाद हैं। बीते दस दिन में दवा निगम ने पांच दवाओं के उपयोग पर रोक लगाते हुए स्टॉक को वापस स्टोर भेजने को कहा है। छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन द्वारा ड्रग वेयरहाउस कवर्धा में बैक्लोफेन 10 एमजी टैबलेट के Batch No. RT24126 और RT25018 का भौतिक सत्यापन किया गया, जिसमें कुछ पैकेट्स पर रंग परिवर्तन पाए गए। एहतियातन इन बैचों के वितरण और उपयोग पर अस्थायी रोक लगाते हुए नमूनों को NABL मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला में पुनः परीक्षण हेतु भेजा गया है। इसी प्रकार, रीजनल ड्रग वेयरहाउस बिलासपुर से आयरन सुक्रोज 100 एमजी इंजेक्शन (ड्रग कोड - D285), बैच No. V24104 को प्राथमिक स्वास्थ्य एवं जच्चा-बच्चा केंद्र, बंधवापारा (हेमू नगर) में उपयोग के दौरान एक मरीज में साइड इफेक्ट की सूचना प्राप्त हुई। इस पर CGMSC ने संबंधित बैच के उपयोग पर भी सावधानीवश अस्थायी रोक लगाई है।

संवाद 45791/47

छत्तीसगढ़ में आईएएस-आईपीएस अफसरों का डीए बड़ा

सरकार ने नए भत्ते लागू करने की मंजूरी दी,केंद्रीय कर्मचारियों के बराबर भत्ता

रायपुर,05 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में पदस्थ भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों के महंगाई भत्ते बढ़ा दिए हैं। सरकार ने 1 जुलाई 2025 से नए भत्ते लागू करने की मंजूरी दे दी है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग के अवर सचिव मनोज कुमार ने आधिकारिक आदेश भी जारी कर दिया है। जानकारी के अनुसार, राज्य सरकार ने महंगाई भत्ते बढ़ाने का फैसला केंद्र सरकार की नई दरों के अनुसार किया है। आदेश जारी होने के बाद संबंधित विभागों को भत्ता जल्दी भुगतान करने के निर्देश दिए गए हैं। नए आदेश के लागू होने से राज्य के सभी अखिल भारतीय सेवा अधिकारियों को वित्तीय राहत मिलने की उम्मीद है।

केंद्रीय कर्मचारियों के बराबर भत्ता : केंद्र सरकार ने अपने कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी कर दी है। वित्त मंत्रालय ने 6 अक्टूबर 2025 को जारी आदेश में बताया कि

1 जुलाई 2025 से महंगाई भत्ता 55% से बढ़ाकर 58% किया गया है। अखिल भारतीय सेवाएं (महंगाई भत्ता) नियम, 1972 के तहत अब यह बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता आईएएस, आईपीएस और आईएफएस अधिकारियों पर भी लागू होगा। छत्तीसगढ़ सरकार ने नई दरों को मंजूरी दे दी है। इसके अनुसार राज्य में पदस्थ सभी अखिल भारतीय सेवा अधिकारी 1 जुलाई 2025 से नई दरों के अनुसार महंगाई भत्ता प्राप्त करेंगे। नए आदेश के अनुसार महंगाई भत्ता अब केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार मिलेगा। इसे 1 जुलाई 2025 से लागू किया जाएगा। महंगाई भत्ता की गणना अधिकारी के वेतन मैट्रिक्स में तय वेतन पर की जाएगी, जिसमें कोई भी विशेष या व्यक्तिगत वेतन शामिल नहीं होगा।

अतिरिक्त भुगतान हुआ तो होगी राशि की वसूली : राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि महंगाई भत्ते का कोई भी भाग मूलभूत नियम 9(21) के तहत वेतन नहीं माना जाएगा। यदि इस आदेश के विपरीत किसी अधिकारी को अतिरिक्त भुगतान हुआ हो, तो वह राशि वसूल की जाएगी। एरियर्स के भुगतान संबंधित विभागीय कार्यालयों द्वारा तैयार किए जाएंगे। सरकार के इस निर्णय से केंद्र और राज्य में कार्यरत अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों को वित्तीय राहत मिलेगी। यह कदम कर्मचारियों के हित में उठाए गए उपायों की श्रृंखला में एक और अहम पहल माना जा रहा है।

बीजापुर में एनकाउंटर...तीन नक्सलियों के मारे जाने की खबर

दोनों ओर से चल रही फायरिंग,सर्च ऑपरेशन जारी

बीजापुर,05 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर बीजापुर जिले में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। एनकाउंटर में 3 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। बताया जा रहा है कि जवानों ने जंगल में नक्सलियों को घेर लिया है। अन्नाराम और मरीमल्ला के जंगलों में दोनों ओर से फायरिंग हो रही है। मिली जानकारी के मुताबिक मुठभेड़ नक्सलियों की महेड एरिया कमेटी से हुई है। जवानों की टीम जंगल में मौजूद है। जंगल से जवानों ने बड़ी तादाद में हथियार बरामद किए हैं। इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है। फिलहाल पुलिस ने नक्सलियों के मारे जाने

की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। बस्तर में फोर्स अब नक्सलियों के खात्मे की तैयारी में है। नक्सली संगठन के कई बड़े नेताओं के मारे जाने के बाद सुरक्षाबल एक्टिव मोड पर है। फोर्स का फोकस बस्तर के 50 चुनिंदा गांवों पर है, जहां से नक्सलियों की पकड़ पूरी तरह खत्म करने की तैयारी है।

अडानी कोल माइंस के खिलाफ बढ़ता जा रहा जन आक्रोश

दो विधायकों ने संभाला किसानों का मोर्चा

धरमजयगढ़,05 नवम्बर 2025। धरमजयगढ़ क्षेत्र में प्रस्तावित अडानी कोल माइंस की जनसुनवाई को लेकर ग्रामीणों का विरोध लगातार प्रखर होता जा रहा है। प्रभावित गांवों के लोग अपने जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए डटे हुए हैं। इसी कड़ी में ग्राम पुरूंगा में एक विशाल महासभा का आयोजन किया गया, जिसमें पुरूंगा, तेंदूमुड़ी और साम्हरसिंगा सहित आसपास के अंचलों से बड़ी संख्या में ग्रामीण, किसान, महिलाएं और बच्चे शामिल हुए। इस महासभा में कोरबा जिले के रामपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक फुलसिंह राठिया विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने मंच से किसानों की आवाज़ को बुलंद करते हुए कहा कि किसान अपने हक़ की लड़ाई लड़ रहे हैं, किसी

भी हाल में अडानी कोल माइंस की जनसुनवाई को रद्द कराना होगा। यह केवल एक गांव या एक समुदाय का नहीं, बल्कि हमारी धरती और अस्तित्व की लड़ाई है। इस मुद्दे को मैं विधानसभा में भी जोरदार तरीके से उठाऊँगा। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक लालजीत राठिया भी उपस्थित रहे। उन्होंने किसानों के समर्थन में अपने अडिग रुख को दोहराते हुए कहा कि मैं पहले भी अपने क्षेत्र के किसानों के साथ था, आज भी उनके साथ खड़ा हूँ।

एसआईआर पर छत्तीसगढ़ की जनता को जागरूक करेगी बीजेपी

महामंत्री की कार्यशाला में पहुंचे दिग्गज,जीएसटी अभियान की तर्ज पर एसआईआर का होगा प्रचार-प्रसार

रायपुर,05 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया मंगलवार से शुरू हो गई है। इसे लेकर भाजपा ने बुधवार को राजधानी रायपुर के कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में बैठक की। बैठक में राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लता उसेंडी, संगठन महामंत्री पवन साय, एसआईआर टोली संयोजक अजय चंद्राकर सहित सभी मंत्री, सांसद, विधायक, जिलाध्यक्ष और प्रमुख पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें महामंत्री ने एसआईआर को प्रमोट करने के तरीके नेताओं को बताए।

महामंत्री ने जारी किए निर्देश

बीजेपी की बैठक राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश ने एसआईआर को प्रमोट करने के लिए कहा है। इसके साथ ही विपक्षी दलों द्वारा फैलाए जाने वाले दुष्प्रचार का खंडन करने की नसीहत प्रवक्ताओं और प्रदेश के नेताओं को दी है। महामंत्री ने जीएसटी अभियान की तरह एसआईआर का प्रचार-प्रसार करने के लिए कहा।

कांग्रेस फैला रही भ्रम : बैठक का मुख्य उद्देश्य एसआईआर प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी देना और पार्टी कार्यकर्ताओं को

बीजेपी नेताओं ने लिया प्रशिक्षण

भाजपा इस प्रक्रिया में जनता की मदद के लिए सक्रिय भूमिका निभाएगी। पार्टी ने अपने सभी मंत्री, सांसद और विधायकों को जनजागरूकता की जिम्मेदारी सौंपी है। इसी क्रम में भाजपा प्रदेश कार्यालय में एसआईआर प्रशिक्षण कार्यशाला भी प्रारंभ की गई। कार्यशाला में भाजपा राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश, प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लता उसेंडी, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, एसआईआर टोली संयोजक अजय चंद्राकर, प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी, यशवंत जैन, डॉ. नवीन मार्कंडेय सहित प्रदेश पदाधिकारी के साथ एसआईआर टोली के सदस्य उपस्थित रहे।

जनसंपर्क के माध्यम से मतदाताओं की सहायता के लिए तैयार करना था। इस मौके पर भाजपा प्रदेश महामंत्री डॉ. नवीन मार्कंडेय ने कहा कि कांग्रेस एसआईआर को लेकर जनता के बीच भ्रम फैलाने का प्रयास कर रही है। ऐसे में भाजपा का लक्ष्य है कि जनता तक सही जानकारी पहुंचे और कांग्रेस के दुष्प्रचार का जवाब दिया जाए।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)